जीवन दर्शन

पिता की सेवा अथवा उनकी आज्ञा का पालन करने से बढ़कर और कोई धर्माचरण नहीं है - वाल्मीकि

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

मंगलवार 10 फरवरी, 2026 ■ वर्ष 14 ■ अंक 362 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

मनु भाकर करीबी अंतर से स्वर्ण पदक से चूकीं, रजत से करना पड़ा...

पृष्ठ 8 पर

लोकसभा में राहुल गांधी का दावा-अध्यक्ष ने बोलने देने का आश्वासन दिया था, किरेन रिजिजू बोले-कोई आश्वासन नहीं दिया

लोकसभा की कार्यवाही महज 13 मिनट में ही ठप

नई दिल्ली ■

संसद के बजट सत्र के नौवें दिन सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही महज 13 मिनट में ही ठप हो गई। विपक्ष ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने का अवसर देने की मांग को लेकर जोरदार हंगामा किया, जिसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस घटनाक्रम ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव को और तेज कर दिया है। वहीं, सूत्रों के हवाले से खबर है कि विपक्ष लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर भी विचार कर रहा है।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता राहुल ने बोलने की अनुमति मांगी। उन्होंने कहा कि वे करीब एक घंटे पहले स्पीकर से मिलने गए थे और उन्हें आश्वासन दिया गया था कि बजट चर्चा शुरू होने से पहले उन्हें अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। राहुल गांधी ने सदन में कहा, हम एक घंटा पहले स्पीकर के पास गए थे। स्पीकर ने हमें कमिट किया था कि बजट डिस्कशन से पहले मुझे बोलने दिया जाएगा। अब आप मुझे बोलने नहीं दे रही हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि क्या आप मुझे बोलने देंगी या नहीं? उस समय आसंदी पर भाजपा सांसद संध्या राय बैठी हुई थीं, जो सदन की कार्यवाही का संचालन कर रही थीं।

रिजिजू का जवाबः कोई कमिटमेंट नहीं हुआ

राहुल गांधी के बयान पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने तत्काल प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वे स्वयं स्पीकर के कक्ष में मौजूद थे और ऐसा कोई आश्वासन नहीं दिया गया था। रिजिजू ने कहा, मैं भी स्पीकर के केबिन में मौजूद था। ऐसा कोई कमिटमेंट नहीं किया गया। सदन की कार्यवाही नियमों के अनुसार चलती है। आसंदी पर बैठीं संध्या राय ने भी राहुल गांधी को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी ओर से किसी अन्य विषय पर चर्चा के लिए कोई विधिवत नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि वे बजट पर चर्चा करना चाहते हैं तो प्रक्रिया के तहत उन्हें अवसर दिया जा सकता है।

अविश्वास प्रस्ताव की तैयारी?

इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि विपक्ष लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की संभावना पर विचार कर रहा है। हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लोकसभा के नियमों के अनुसार, स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 50 सांसदों का समर्थन आवश्यक होता है। इसके अलावा प्रस्ताव पेश करने से 14 दिन पहले लिखित नोटिस देना अनिवार्य है। यदि प्रस्ताव स्वीकार किया जाता है तो उस पर सदन में चर्चा और मतदान कराया जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि विपक्ष ऐसा कदम उठाता है तो इससे संसद का वातावरण और अधिक तनावपूर्ण हो सकता है। हालांकि यह भी देखना होगा कि क्या विपक्ष के पास आवश्यक समर्थन संख्या है या नहीं।

ये तानाशाही है

कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया है कि संसद में पीएम केयर फंड, पीएम राष्ट्रीय राहत कोष और राष्ट्रीय रक्षा कोष (एनडीएफ) से जुड़े सवाल नहीं पूछे जा सकेंगे। ये निर्देश सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय ने लोकसभा सचिवालय को दिए हैं। कांग्रेस ने डेली न्यूज पेपर द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शेयर करते हुए यह दावा किया है।

कांग्रेस ने एक्स पर 4 सवाल किए-

- संसद जनता के प्रतिनिधि हैं, जनहित के सवाल पूछने से क्यों रोका जा रहा है?
- मोदी सरकार जनता के लाखों-करोड़ रुपये का हिसाब क्यों नहीं देना चाहती?
- आखिर मोदी सरकार देश की जनता से क्या छिपाना चाह रही है?
- क्या अब देश की संसद नरेंद्र मोदी की मनमर्जी से चलेगी?

मणिपुर के लितान में हिंसा भड़की, 25 घर फूंके, उपद्रवियों ने गोलीबारी की

इंफाल ■

मणिपुर के उखरुल जिले के व्यावसायिक कस्बे लितान में तनाव बना हुआ है। हालांकि भारी सुरक्षा तैनाती के बीच फिलहाल माहौल शांत है। पुलिस के अनुसार, तांगखुल नागा और कुकी समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद लितान और उससे सटे मंगकोट गांव में बड़े पैमाने पर लोगों का पलायन जारी है।

रविवार देर रात करीब 11:30 बजे लितान बाजार में हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान उपद्रवियों ने स्वचालित हथियारों और राइफलों से गोलीबारी भी की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। हिंसा में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर जलकर खाक हो गए हैं। हिंसा की शुरूआत 7 फरवरी की शाम लितान सरेइखोंग में हुए एक शराब के नशे में झगड़े से हुई, जिसमें तांगखुल नगा समुदाय के स्टर्लिंग नामक व्यक्ति के साथ कथित रूप से मारपीट हुई थी। बाद में

उसे इलाज के लिए इंफाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उखरुल के जिला मजिस्ट्रेट ने लितान में कर्फ्यू लगा दिया है। मणिपुर के उप-मुख्यमंत्री लोसी दिखो, जो एक नगा नेता भी हैं, रविवार से ही अशांत इलाके में डेरा डाले हुए हैं और तनाव को कम करने में मदद के लिए स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर रहे हैं। लोसी ने भाजपा नेता एल न्यूमई की मौजूदगी में अपने लैम्फेल घर पर फुटहिल्स नगा कोऑर्डिनेटिंग कमेटी और जॉइंट ट्राइब्स काउंसिल के नेताओं के साथ बैठक भी की।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित-कोहली ए प्लस से डिमोट होकर ग्रेड-बी पर खिसके

मुंबई। बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को ए प्लस ग्रेड से डिमोट करके बी ग्रेड में डाल दिया है। बोर्ड ने सोमवार को 2025-26 के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल प्लेयर्स की लिस्ट जारी की। ए प्लस ग्रेड को समाप्त कर दिया गया है। रोहित और कोहली के साथ बुमराह और जडेजा भी पिछले साल ए प्लस ग्रेड में शामिल थे। ताजा लिस्ट में इन दोनों को ग्रेड ए में शामिल रख गया है। वहीं, टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ग्रेड ए में बरकरार रखे गए हैं। ग्रेड बी में टी-20 के कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा 10 अन्य खिलाड़ियों को रखा गया है। ग्रेड सी में तिलक वर्मा और रिंकू सिंह समेत 17 खिलाड़ी हैं। बोर्ड ने रिटेन खिलाड़ियों को 3 ग्रेड में बांटा है। इनमें ए, बी और सी शामिल हैं। बोर्ड ने अभी तक नए ग्रेड मॉडल की सैलरी स्ट्रक्चर के बारे में कुछ नहीं कहा है। कुछ दिन पहले इसे बदलने की बात कही जा रही थी।

मिया-मुस्लिम और लव जिहाद जैसे शब्दों पर रोक की मांग

नई दिल्ली। एक समूह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और अन्य संवैधानिक पदाधिकारियों द्वारा दिए जा रहे भाषणों को संविधान के अनुरूप नहीं और अपमानजनक बताया गया है। याचिकाकताओं ने इस मामले में अनुच्छेद 32 के तहत कोर्ट से दिशा-निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है। याचिका में उल्लेख किया गया है कि सीएम सरमा ने हाल ही में 'मिया मुसलमान' समुदाय के खिलाफ टिप्पणियां कीं। इसके अलावा, उन्होंने कुछ समुदाय के नागरिकों को सब्जियों की कीमत बढ़ाने, लव जिहाद और फ्लड जिहाद जैसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया और यहां तक कहा कि चुनावी मतदाता सूची से 4-5 लाख लोगों को हटाना चाहते हैं। याचिकाकताओं ने कहा कि केवल असम ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों के उच्च पदाधिकारियों द्वारा दिए गए भाषण भी संवैधानिक नैतिकता के खिलाफ हैं। उदाहरण के तौर पर, उत्तराखंड सीएम लैंड जिहाद और लव जिहाद की बातें करते हैं, जबकि उत्तर प्रदेश सीएम उर्दू भाषा समर्थकों के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं।

फरीदाबाद जेल में बंद आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या

फरीदाबादः हरियाणा के फरीदाबाद जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है। जिले की जेल में बंद 20 साल के आतंकी अब्दुल रहमान के हत्या की कर दी गई। जेल में ही बंद अरुण चौधरी नामक कश्मीरी युवक ने रविवार रात उसके सिर में नुकीली चीज मार उसकी हत्या की। नीमका स्थित जिला जेल में जम्मू कश्मीर के करीब 40 से 50 आतंकवादी स्पेशल सेल में रखे हुए हैं। इसी जेल की एक सेल में आतंकी अब्दुल रहमान और कश्मीर के कठुआ जिले का रहने वाला अरुण चौधरी भी एक ही सेल में बंद थे। अरुण चौधरी अक्टूबर 2024 में जिला जेल में लाया गया था। बताया जा रहा है रविवार रात करीब 2:30 बजे दोनों के बीच झगड़ा हुआ। झगड़े के दौरान अरुण चौधरी ने किसी नुकीली वस्तु से आतंकी अब्दुल रहमान के सिर पर गहरी चोट मार दी।

बंगाल में ईसीआई के नोटिस जलाने पर सुप्रीम कोर्ट

किसी को भी एसआईआर में बाधा डालने की इजाजत नहीं देंगे

नई दिल्ली ■

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह मतदाता सूची के एसआईआर को पूरा करने में कोई बाधा नहीं आने देगा. अदालत ने कहा कि यह बात सभी राज्यों और राज्य अधिकारियों को साफ तौर पर समझ लेनी चाहिए.

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के एसआईआर से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से दाखिल याचिका भी शामिल

थी. सीएम ममता बनर्जी की तरफ से वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने बंगाल में एसआईआर में वोटर्स के बड़े पैमाने पर बाहर होने की आशंका जताई. पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) की तरफ से वरिष्ठ वकील दामा शेषाद्रि नायडू ने कहा कि एक सॉफ्टवेयर है, जिसका इस्तेमाल उन गड़बड़ियों की पहचान करने के लिए किया जा रहा है जिनका कोई हल नहीं हो सकता. दीवान ने कहा कि 'तार्किक अंतर' वाली श्रेणी के तहत 70 लाख लोगों को नोटिस मिले हैं. चुनाव आयोग के इस्तेमाल किए गए सॉफ्टवेयर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यहां कंप्यूटर तानाशाह बन गया है और यह तय करने के लिए कुछ सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल हो रहा है कि वोटर लिस्ट में कौन रहेगा और किसे हटाना है. दीवान ने कहा, हम किसी भी तरह का सामूहिक निष्कासन नहीं चाहते हैं. पीठ को बताया गया कि एसआईआर प्रक्रिया 14 फरवरी तक पूरा हो जाएगी और फाइनल लिस्ट जारी कर दी जाएगी. सीजेआई ने कहा, एक बात बहुत जरूरी है.

बैंक कर्मचारी ने खुद को गोली मारी घर खाली कराने आई थी टीम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

विजय नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिनर्जी अस्पताल के पास सोमवार शाम एक दिल दहला

देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक को-ऑपरेटिव बैंक में कार्यरत कर्मचारी हेमंत ब्रह्मवंशी ने अपनी ही लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना शाम करीब साढ़े 5 बजे की बताई जा रही है जब वह अपने घर के कमरे में अकेला था।

मिली जानकारी के अनुसार हेमंत ने अपने मकान को गिरवी रखकर बैंक ऑफ महाराष्ट्र से ढाई करोड़ रुपये का बड़ा कर्ज ले रखा था। बताया जा रहा है कि पिछले डेढ़ साल से वह बैंक की किश्तें चुकाने में असमर्थ थे। लंबे समय तक राशि जमा न होने के कारण बैंक की ओर से बार-बार नोटिस भी जारी किए गए थे, लेकिन हेमंत की ओर से उनका कोई जवाब नहीं दिया जा रहा था। सोमवार को बैंक की एक टीम कानूनी प्रक्रिया के तहत मकान खाली कराने के लिए हेमंत के निवास पर पहुंची थी। जिस समय बैंक के कर्मचारी घर की पहली मंजिल पर खड़े होकर जब्ती और खाली करने की लिखा-पढ़ी की औपचारिकताएं पूरी कर रहे थे, उसी वक्त हेमंत ने नीचे अपने कमरे में जाकर आत्मघाती कदम उठा लिया। अचानक हुई गोली चलने की आवाज से घर और आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई।

डिप्रेशन का चल रहा था इलाज

विजय नगर थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि हेमंत पिछले काफी समय से भारी कर्ज के कारण मानसिक तनाव और डिप्रेशन से जूझ रहे थे। उनके बड़े बेटे ने भी इस बात की पुष्टि की है कि उनका मानसिक उपचार चल रहा था। मृतक के परिवार में उनकी वृद्ध मां, दो बेटे और एक बेटी है, जिनका इस घटना के बाद रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

एकतरफा प्यार में लॉ छात्रा को क्लास में घुसकर मारी गोली

तरनतारन ■

पंजाब के तरनतारन में के प्राइवेट लॉ कॉलेज में 19 साल की लॉ छात्रा को उसके ही साथ पढ़ने वाले साथी लड़के ने गोली मार दी. जिला तरनतारन के गांव उसमां के निजी लॉ कॉलेज में उस समय सनसनी फैल गई, जब संदीप कौर निवासी नौशहरा पन्नूआं की सहपाठी प्रिंसराज सिंह निवासी मलिया ने गोली मारकर हत्या कर दी. सूचना मिलते ही थाना सरहाली की पुलिस मौके पर पहुंची और कॉलेज को पुलिस छावनी में बदल दिया. बताया जाता है कि प्रिंसराज सिंह ने एक तरफा प्यार को लेकर उक्त वारदात को अंजाम दिया.

प्रिंसराज सिंह सुबह नौ बजे कालेज में पिस्टल लेकर आया. सहपाठी छात्रा संदीप कौर भी वहां

पहुंची तो करीब जाकर ला के छात्र ने संदीप कौर के माथे पर गोली मार दी. मौके पर ही छात्रा की मौत हो गई. गोली की आवाज सुनते ही कालेज में सनसनी फैल गई. छात्र इधर-उधर भागने लगे. तरनतारन जिले के विस हलका पट्टी के अंतर्गत आते गांव नौशहरा पन्नूआं निवासी किसान हीरा सिंह की 19 वर्षीय बेटी संदीप कौर की मौत की खबर सुनते ही स्वजन मौके पर पहुंचे व आपा खो बैठे. उधर, युवक प्रिंसराज सिंह ने भी उसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली.

सरकार ने कोर्ट में बताया- वांगचुक बिल्कुल ठीक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सोनम वांगचुक बिल्कुल ठीक हालत में हैं। हिरासत में रहते हुए उन्हें एम्स, जोधपुर में अच्छा इलाज मिल रहा है। वांगचुक के वकील ने कहा कि उनकी हिरासत पर फिर से विचार करने का यह सही समय है क्योंकि वह अभी भी अस्वस्थ हैं। केंद्र की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) केएम नटराज ने बताया कि वांगचुक की हिरासत पर अभी तक कुछ तय नहीं हुआ है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पी.बी. वराले की बेंच वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है। 11 फरवरी को अगली सुनवाई होगी। दरअसल, 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत 26 वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया गया था।

यूरेनियम इनरिचमेंट बंद नहीं करेंगे अमेरिका की नीयत पर भरोसा नहीं

तेहरान ■

ईरान ने अमेरिका के दबाव को सख्ती से खारिज करते हुए कहा है कि वो अपना यूरेनियम संवर्धन (यूरेनियम इनरिचमेंट) प्रोग्राम किसी भी हाल में नहीं छोड़ेगा, चाहे उसे सैन्य धमकियां मिलें या नए प्रतिबंध लगाए जाएं। रविवार को तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान को डराकर उसकी परमाणु नीति नहीं बदली जा सकती और अमेरिका की मंशा पर हमें भरोसा नहीं है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब कई सालों बाद ईरान और अमेरिका के बीच ओमान में बातचीत फिर से शुरू हुई है। ईरान चाहता है कि उस पर लगे कड़े आर्थिक प्रतिबंध हटें, जबकि अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक चाहता है।

अराघची ने साफ कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान के लिए किसी भी हालत में समझौते का मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश को यह अधिकार नहीं है कि वह ईरान को बताए कि उसे क्या करना चाहिए, भले ही युद्ध की धमकी क्यों न दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य तैनाती, जैसे कि यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर की मौजूदगी, ईरान को डराने में नाकाम रहेगी। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका पर भरोसा करना मुश्किल है और यह साफ नहीं है कि वाशिंगटन सच में डिप्लोमेटिक हल चाहता भी है या नहीं।

54,000 करोड़ की डिजिटल धोखाधड़ी डकैती के समान

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे सीधी डकैती या लूट करार दिया और कहा कि

इस तरह से 54,000 करोड़ से अधिक की रकम देश से निकाल ली गई है। शीर्ष अदालत ने इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए व्यापक प्रणालीगत सुधार के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति एन वी अंजनिया की पीठ ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी से निकाली गई राशि कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। पीठ ने इस बात पर चिंता जताई कि इन अपराधों के पीछे या तो बैंकों के अधिकारियों की मिलीभगत हो सकती है या गंभीर लापरवाही।

व्यंग्य : मोदीफोबिया के बाद ' स्पीकरफोबिया ' के भी विपक्ष में लक्षण..!

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस

GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

'मोदीफोबिया' से पीड़ित कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल के नेताओं में अब ' स्पीकरफोबिया ' के भी लक्षण दिखे हैं और उसका प्रमाण नियमों से संसद चलाने की चेतावनी दे चुके स्पीकर ओम बिरला से विपक्ष चाहता है कि नियम सभी के लिए समान हो, लेकिन ऐसी चाह तब पूरी होती है जब स्पीकर अपना हो. ऐसे में क्या करें तो विपक्ष ने सोचा अविश्वास प्रस्ताव लाओ और हटाओ तो क्या आसान है, जानते हैं सब कुछ..?

राहुल गीत : हम अपनी जिद का असर देखेंगे : अविश्वास का असर देखेंगे..!

'आज हम अपनी दुआओं का असर देखेंगे ' पाकीजा फिल्म के इस गीत की तर्ज पर कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर गीत के बोल उनकी जिद के कारण इस प्रकार हो सकते हैं ' अब हम अपनी जिद का असर देखेंगे, स्पीकर के खिलाफ अविश्वास का असर देखेंगे ' लेकिन असर में सिर्फ हताशा ही देख सकते हैं, क्योंकि 1954 में स्पीकर मावलंकर के खिलाफ खारिज हुआ था फिर 1966 में हुकमसिंह के खिलाफ और तीसरा 1967 में बलराम जाखड़ के विरुद्ध खारिज हुआ. अब ओम बिरला के खिलाफ भी यही होने की सम्भावना है, क्योंकि विपक्ष के पास बहुमत नहीं है और संविधान के अनुच्छेद 94 की प्रक्रिया जटिल है. खैर अब राहुल गांधी की जिद की बात करें तो वे इसलिए पावर में हैं कि वे पूर्व सैन्य अधिकारी नरवणे की किताब ले आए हैं, अब कैसे लाए यह तो वह खुद जानें, लेकिन इससे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की आपत्ति फ्लॉप हुई है कि किताब

प्रकाशित ही नहीं हुई और अब राहुल किताब दिखाकर बोलना चाहते हैं, लेकिन उनका आरोप है कि बोलने नहीं दिया जा रहा और इसी जिद के सहारे और अन्य विपक्षी सांसदों का साथ हंगामे में मिलने से वे उत्साहित हैं कि सरकार को टेंशन तो दे रहे हैं.अब विपक्ष के इस अविश्वास का कड़वा सच यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी के सामने लगातार हारती रही कांग्रेस का विश्वास तो डगमगाया हुआ है और अन्य विपक्षी दलों को भी विश्वास नहीं है कि वे आगामी चुनावों में जीत जाएंगे और यही डर स्पीकर पर अविश्वास के रूप में सामने आया है.स्पीकर नियमों की बात कर रहे हैं तो विपक्षी नेता चाहते हैं कि नियम सभी के लिए समान हों, लेकिन ऐसा तभी होता है जब स्पीकर अपनी पार्टी का हो और यह बात विपक्षी सांसद जानते हैं फिर भी सत्ता पाने के लिए कुछ तो करना है इसलिए हंगामा ही करो.अब राहुल गांधी के उस दावे की बात करें कि प्रधानमंत्री मोदी डर रहे हैं तो यह महज राहुल गांधी का टेंशन है, क्योंकि मोदी ट्रम्प के आगे नहीं झुके तो राहुल गांधी के पूर्व आरोप फेल हो गए. वैसे राहुल गांधी के इस तर्क में वजन रहा कि किसी ने मोदी पर हमले का कहा तो ऐसे सांसदों के खिलाफ एफआईआर क्यों नहीं कराई.. कुल मिलाकर जिद दोनों तरफ बरकरार है और मुख्य मुद्दों पर चर्चा ना होकर सिर्फ हंगामा होना क्या उचित है..?

अंबानी ग्रुप के खिलाफ फ्रॉड-केस के लिए एसआईटी गठित

नई दिल्ली ■

एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) और उससे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ 40,000 करोड़ रुपए के बैंकिंग और कॉर्पोरेट फ्रॉड की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया है। सोमवार को आधिकारिक सूत्रों ने जानकारी दी कि यह टीम सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों के बाद बनाई गई है। कोर्ट ने मामले की निष्पक्ष और जल्द से जल्द जांच करने को कहा था।

सूत्रों के अनुसार, इस एसआईटी का नेतृत्व जांच एजेंसी की हेडक्वार्टर

इन्वेस्टिगेशन टीम के एक एडिशनल डायरेक्टर रैंक के अधिकारी करेंगे। इस टीम में करीब आधा दर्जन अन्य अनुभवी अधिकारियों को शामिल किया गया है। यह टीम विशेष रूप से एडीएजी ग्रुप की कंपनियों में हुए फंड के हेरफेर और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की जांच करेगी। पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट ने एडीएजी के खिलाफ चल रहे मामलों की समीक्षा करते हुए ईडी को एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था।

न्यूज ब्रीफ

इंदौर: जनगणना 2027 की व्यापक तैयारियां प्रारंभ, जिले में दो चरणों में होगी जनगणना

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर जिले में जनगणना 2027 की व्यापक तैयारियां शुरू हो गई है। जिले में दो चरणों में जनगणना का कार्य होगा। पहला चरण अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगा। दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित होगा। यह जानकारी आज यहाँ कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जनगणना संबंधी जिला समन्वय समिति की पहली बैठक में दी गई। बैठक में जनगणना संबंधी नियम और निदेर्शों तथा निर्धारित कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि जनगणना का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। जनगणना में गुणवत्ता और उच्च स्तर से प्राप्त नियमों और निदेर्शों का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में बताया गया कि जनगणना का पहला चरण अप्रैल से प्रारंभ होगा। इस चरण में एक मई से 30 मई 2026 तक घर-घर जाकर मकानों की सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। इसके पूर्व 15 दिन की समयावधि में ऐप के माध्यम से स्व-गणना का विकल्प भी मौजूद रहेगा। दूसरा चरण फरवरी 2027 में प्रस्तावित है। इस दूसरे चरण में डिजिटल माध्यम से घर-घर जाकर जनसंख्या गणना की जाएगी। जनसंख्या 2027 के लिए संदर्भ तारीख एक मार्च 2027 होगी। बैठक में आगामी जनगणना कार्य को लेकर व्यापक समीक्षा की गई। बताया गया कि जनगणना की प्रक्रिया में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों की सेवाएं ली जाएंगी। इन्हें विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर्स की ?नियुक्ति की जा रही है। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती निशा डामोर सहित सभी संबंधित ?विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत मनाया गया बंधक श्रम उन्मूलन दिवस

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर जिले में संकल्प से समाधान अभियान के तहत लगातार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत आज श्रम विभाग द्वारा बंधक श्रम उन्मूलन दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत जिले की ग्राम पंचायत बड़ियाकीमा में शिविर लगाया गया। शिविर में श्रम विभाग द्वारा बंधक श्रम की परिभाषा एवं अन्य प्रमुख प्रावधानों का वाचन किया गया एवं बंधक श्रम कुप्रथा के उन्मूलन संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित ग्रामीणों/श्रमिकों के संबल व कर्मकार पंजीयनों की पुष्टि करते हुए योजनाओं की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि बाल एवं कुमार श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 2016 अंतर्गत 14 वर्ष से कम आयु के बालक को नियोजित करने पर 20 हजार रुपये से लेकर 50 हजार रुपये तक के जुमार्ना एवं 6 माह से 2 वर्ष तक की सजा सहित अन्य प्रावधान है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से श्रीमती कुंता बाई रावत (सरपंच), श्री सन्नी साहू (सचिव), स्वास्थ्य विभाग (सी.एच.ओ), कृषि विभाग (ए.ई.ओ), लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, आँगनवाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, कोनिका कोष्टा (श्रम निरीक्षक), कुलदीप इंगले (श्रम निरीक्षक) आदि मौजूद थे।

शा. महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महा. में विधिक सेवा जागरुकता एवं साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर के शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. बी. डी .श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना और इकोक्लब द्वारा विधिक सेवा जिला कोर्ट एवं क्राइम ब्रांच इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में विधिक सेवा जागरुकता एवं साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत क्राइम ब्रांच के श्री शिवम ठक्कर एवं ऋषिता अग्रवाल द्वारा छात्राओं को वर्तमान समय में हो रहे अपराध एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से होने वाले अपराध के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। विधिक सेवा जिला कोर्ट से संगीता शाक्य द्वारा विधिक के बारे में भी छात्राओं को जागरूक किया गया। महिला एवं बाल विकास से श्री महेंद्र पाठक द्वारा छात्रों को बाल विवाह एवं महिला उत्पीड़न से बचने हेतु जागरूक किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शीतल ब्राह्मणे एवं इको क्लब प्रभारी डॉ. पूजा जैन द्वारा संपन्न करवाया गया। कार्यक्रम में प्रो. निशा जैन, प्रो. रेनू उपाध्याय, प्रो.शीतल झा एवं छात्राएं उपस्थित रही।

लिंक रोड से बंगाली कॉलोनी-कनाड़िया रोड के बीच कम होगा ट्रैफिक का दबाव, 18 मीटर चौड़ी बन रही सड़क

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में साकेत, तिलक नगर और मनीषपुरी से रिंग रोड का निरीक्षण महापौर और विधायक ने किया। उनके साथ नगर निगम के अफसर भी थे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने मनीषपुरी से रिंग रोड पर सड़क के बीच लगे बिजली के पोल के साथ अन्य बाधक निर्माण हटाने के निर्देश दिए ताकि इस अधूरे रोड को पूरा किया जा सकें।

महापौर ने किया निरीक्षण

साकेत नगर और तिलक नगर में सड़क के साथ अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण आज सुबह 8.30 बजे महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया। उनके साथ विधायक महेंद्र हार्डिया, निगमायुक्त क्षितिज सिंघल, एमआइसी मेंबर राजेंद्र राठौर, राजेश उदावत, पार्षद मृदुल अग्रवाल, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, सहायक यंत्री नरेश जायसवाल, उपयंत्री पराग अग्रवाल आदि मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान महापौर भार्गव ने साकेत और तिलक नगर में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और समय सीमा को लेकर अफसरों से चर्चा की गई। इसके साथ ही उन्होंने मनीषपुरी से रिंग रोड को जोड़ने वाली सड़क का भी निरीक्षण किया, क्योंकि यह रोड आधी बन चुकी है।

60 फीट चौड़ी होगी सड़क

सड़क के बीच लगे बिजली के पोल के साथ अन्य बाधक निर्माण हटाने के निर्देश महापौर भार्गव ने दिए ताकि इस अधूरे रोड को पूरा किया जा सके। इस रोड पर निगम के शौचालय को हटाने की बात एमआइसी मेंबर उदावत ने रखी ताकि रोड का काम पूरा हो सके। उन्होंने मनीष मेडिकल से मेडीकेयर हॉस्पिटल तक की रोड को 30 से 60 फीट चौड़ा बनाने और बंगाली से पीपल्याहाना तक की सर्विस रोड का

चौड़ीकरण करने का भी कहा, क्योंकि इन दोनों रोड पर ट्रैफिक जाम होता है। महापौर भार्गव ने संविद नगर के पास स्थित शासकीय खदान की भूमि का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने क अफसरों को निर्देश देते हुए कहा यदि यह भूमि निगम स्वामित्व की है तो यहां के लिए विस्तृत विकास योजना तैयार की जाए ताकि भविष्य में इसे क्षेत्र की सुविधाओं के विस्तार के लिए उपयोग किया जा सके।

लोगों ने बताई पानी की समस्या- निरीक्षण के दौरान महापौर

पुष्यमित्र भार्गव और विधायक हार्डिया ने लोगों से संवाद भी किया। इस दौरान लोगों ने पानी की समस्या से अवगत कराया। महापौर ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में जलप्रदाय की समस्या, गंदे पानी के मुद्दे और सड़क कार्य से जुड़ी सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निवारण किया जाएगा।

सड़क निर्माण की बढ़ाओ गति

तिलक नगर में श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल से महावीर बाग पानी की टंकी तक बन रही सड़क का निरीक्षण भी किया गया। 227 करोड़ रुपए की लागत से यह रोड 18 मीटर चौड़ी बन रही है। महापौर भार्गव ने निर्माण कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क क्षेत्र की महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी इसलिए इसे तय समय सीमा में पूरा करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अफसरों से गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा और ठेकेदार को निर्देशित किया कि ट्रैफिक व नागरिक असुविधा को कम करते हुए तेजी से कार्य पूरा किया जाए।

अब 72 घंटे में ईमेल पर मिलेगा मृत्यु प्रमाण पत्र, निगम की नई व्यवस्था

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर नगर निगम ने नागरिकों को बड़ी राहत देने वाली नई व्यवस्था लागू की है। अब घर पर होने वाली मृत्यु के मामलों में मृत व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र 72 घंटे के भीतर परिजनों के ईमेल पर भेजा जाएगा। इसके लिए नगर निगम कार्यालय के चक्कर लगाने या किसी तरह का आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि पहले नगर निगम की ओर से मृत्यु होने पर 72 घंटे के भीतर शोक संदेश के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र मृतक के घर भिजवाया जाता था। बाद में जन्ममृत्यु के राष्ट्रीय पोर्टल से नगर निगम पोर्टल के जुड़ने के कारण यह व्यवस्था बंद हो गई थी।

संशोधित रूप में फिर लागू हुई व्यवस्था

महापौर ने बताया कि अब राष्ट्रीय पोर्टल से जुड़े रहते हुए इस व्यवस्था को संशोधित स्वरूप में फिर से लागू किया गया है।

मुक्तिधाम पर अंतिम संस्कार के समय यदि यह जानकारी दी जाती है कि संबंधित व्यक्ति की मृत्यु घर पर हुई है, तो परिजनों द्वारा दिए गए ईमेल एड्रेस पर 72 घंटे के भीतर मृत्यु प्रमाण पत्र भेज दिया जाएगा।

नगर निगम आने की जरूरत नहीं

इस नई व्यवस्था के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए परिजनों को नगर निगम कार्यालय आने, आवेदन करने या किसी तरह का शुल्क जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। नगर निगम ने ईमेल के माध्यम से प्रमाण पत्र भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अस्पताल में मृत्यु पर लागू नहीं होगी सुविधा

प्रश्न के उत्तर में महापौर ने स्पष्ट किया कि अस्पताल में होने वाली मृत्यु के मामलों में यह सुविधा फिलहाल लागू नहीं हो पाएगी। इसका कारण यह है कि अस्पतालों से मृत्यु की जानकारी नगर निगम को विलंब से प्राप्त होती है, जिससे 72 घंटे के भीतर प्रमाण पत्र जारी करना संभव नहीं हो पाता। **जन्म प्रमाण पत्र की व्यवस्था पहले से लागू-** जन्म प्रमाण पत्र को लेकर उन्होंने बताया कि जिन अस्पतालों में प्रसूति होती है, वहां से जन्म प्रमाण पत्र देने की व्यवस्था पहले से ही लागू है। इसे तत्काल व्यवस्था में परिवर्तित करना अभी संभव नहीं है। इंदौर नगर निगम द्वारा हर वर्ष औसतन 14 हजार मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं। वर्ष 2026 में अब तक 1084 मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। वर्ष 2025 में 15314, 2024 में 14119, 2023 में 13461 और 2022 में 14237 मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए गए थे।

एरोड्रम पुलिस की बड़ी कार्रवाई ब्राउन शुगर तस्कर गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए थाना एरोड्रम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर की तस्करी में लिप्त एक युवक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 8.75 ग्राम ब्राउन शुगर, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 87 हजार रुपये बताई जा रही है, बरामद की गई है। इसके साथ ही एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों के क्रय-विक्रय और नशे की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त इंदौर संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह और पुलिस उपायुक्त जोन-1 कृष्ण लालचंदानी द्वारा सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निदेर्शों के पालन में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-1 एवं सहायक पुलिस आयुक्त अनुभाग मल्हारगंज विवेक सिंह चौहान के मार्गदर्शन में थाना एरोड्रम पुलिस ने यह कार्रवाई की। दिनांक 8 फरवरी 2026 की रात करीब 1.30 बजे एरोड्रम थाना पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गणेश धाम, सुखदेव विहार कॉलोनी के पास एक युवक ब्राउन शुगर की डिलीवरी देने के लिए खड़ा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक तरुण सिंह भाटी ने तत्काल पुलिस टीम गठित की और मुखबिर के साथ बताए गए स्थान पर दबिश दी। मौके पर एक संदिग्ध युवक खड़ा मिला, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

तलाशी में निकली ब्राउन शुगर

संदिग्ध की विधिवत तलाशी लेने पर उसकी पेंट की पिछली जेब से एक पॉलिथीन में रखा अवैध मादक पदार्थ बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सुमित पथरोड़ पिता कमल कुमार पथरोड़, उम्र 24 वर्ष, निवासी 112 पंचवटी नगर, 60 फिट रोड, इंदौर बताया। थाना लाकर तौल करने पर बरामद मादक पदार्थ 8.75 ग्राम ब्राउन शुगर निकला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना एरोड्रम पर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि वह ब्राउन शुगर कहां से लाता था और किन लोगों को इसकी सप्लाई करता था। पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में भी जुट गई है। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक तरुण सिंह भाटी, उप निरीक्षक नरेन्द्र रघुवंशी, सहायक उप निरीक्षक मुकेश परमार, आरक्षक 1319 राकेश, आरक्षक 1064 नवीन, आरक्षक 2347 विपेन्द्र, आरक्षक 3493 अजय एवं आरक्षक 22 आनंद सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

इंदौर जिले में हॉस्टलों के विद्यार्थियों के लिए शुरू होगा अपनत्व अभियान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता, जवाबदेही और जनसंतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज समय-सीमा पत्रों (टीएल) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निदेर्शानुसार सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के त्वरित, सकारात्मक और गुणवत्तापूर्ण निराकरण, लंबित प्रकरणों की समीक्षा, जनकल्याणकारी योजनाओं की संतृप्ति, औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण और शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधार जैसे कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत के

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. परीक्षित झाडे, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, अपर आयुक्त नगर निगम श्री आकाश सिंह, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, श्रीमती निशा डामोर, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि जिले में सीएम हेल्प लाईन के तहत दर्ज प्रत्येक शिकायत का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए और शिकायतकर्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में उन्होंने रेण्डम रूप से विभिन्न विभागों में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की। इस दौरान जिन विभागों द्वारा शिकायतों के निराकरण में लापरवाही या देरी पाई गई, उन्हें सख्त चेतावनी दी गई। गंभीर लापरवाही वाले मामलों में संबंधित अधिकारियों पर पेनल्टी लगाई गई। साथ ही अतिरिक्त विलंब वाले मामलों की जांच के लिए जॉइंट कलेक्टर की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की गई है।

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर वार्ड नं 57 का 35 साल पुराना सहेली ग्रुप जो किटी पार्टी से शुरू हुआ, फिर सफाई ,पर्यावरण, जल संसाधन, ऐतिहासिक स्थान के भ्रमण के साथ आगे बढ़ा आज मिलन समारोह था जिसमें रंजना ठाकुर, सुजाता मोहिते, सरोज वागले, सुजाता फड़के,कविता गाडगिल,स्मिता चिंचालकर, सुनंदा फड़के, मेघा मेंहदले, चित्रा विटवेकर, उपस्थित थे।

लापरवाही बरतने पर चार कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

इंदौर। निर्वाचन कर्तव्य में लापरवाही बरतने एवं आदेश की अवहेलना करने पर विद्युत विभाग के चार कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुए 24 घंटे में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के माध्यम से जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गये हैं। समयावधि में जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर संबंधित कर्मचारी के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। जिन कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है उनमें श्री राजेश गुप्ता-सहायक यंत्री, श्रीमती भाग्यश्री-सहायक यंत्री, श्री अजय कुमार-सहायक यंत्री और श्री ब्रजेन्द्र दुबे-कनिष्ठ यंत्री शामिल हैं। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा इनकी ड्यूटी विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 अंतर्गत लॉजिकल ईरर/नो मेपिंग के कार्य हेतु लगायी गई थी, परंतु ये अपने कर्तव्य पर उपस्थित नहीं हुए।

खुद को बदलना हमेशा हमारे हाथ में होता है...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

दोस्तों, हममें से ज्यादातर लोग मन ही मन मानकर चलते हैं, मैं सही हूँ और सारी समस्या दूसरों में है। जबकि हमेशा यह सही नहीं होता है। मेरी नजर में यह सोच ठीक वैसी ही है, जैसे अपने चेहरे पर लगी गंदगी को साफ़ करने के बजाय उस आईने को साफ़ करना जो चेहरे की गंदगी को दिखा रहा है। आईना दोषी नहीं होता, वह तो सिर्फ़ सच दिखाता है। लेकिन हम सच देखने की जगह आईने से ही नाराज़ हो जाते हैं।

हम रोज़ कहते हैं, फ़लाँ इंसान ऐसा है, फ़लाँ वैसा है, मेरे साथ सब गलत करते हैं, दुनिया सुधर जाए तो सब ठीक हो जाए। लेकिन कभी रुककर खुद से यह नहीं पूछते, क्या मुझमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं? सच तो यह है दोस्तों, दुनिया बदलने से पहले खुद को बदलना ज्यादा जरूरी होता है, जिसका साहस बहुत कम लोग जुटा पाते हैं। लेकिन अगर इस साहस को जुटा लिया जाये, तो अपनी असीम क्षमताओं को खोजा जा सकता है। दलाई लामा ने इस सत्य को अपने जीवन में गहराई से जिया है। उन्हें निर्वासन मिला, उन्हें अपना देश छोड़ना पड़ा, अन्याय झेलना पड़ा। वे चाहते तो जीवन भर इसके लिए दूसरों को दोष देते रह सकते थे। याने वे राजनीति को, सत्ता को, दुनिया को आसानी से दोष दे सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा किया नहीं। उन्होंने तो बस खुद से कहा, अगर मैं शांति चाहता हूँ, तो मुझे स्वयं शांत होना होगा। उन्होंने बाहरी दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की प्रतिक्रिया बदली। क्रोध की जगह करुणा चुनी, प्रतिशोध की जगह समझ को चुना और इसीलिए आज पूरी दुनिया उन्हें शांति का प्रतीक मानती है। दोस्तों, जब हम यह मान लेते हैं कि मैं बिल्कुल सही हूँ, तो सीखने के सारे दरवाज़े बंद हो जाते हैं क्योंकि जो व्यक्ति खुद को पूर्ण मान लेता है, वह आगे बढ़ना बंद कर देता है और जो व्यक्ति अपनी गलतियों को देखने का साहस करता है, वही वास्तव में बड़ा बनता है। रिश्तों के विषय में भी यह बात उतनी ही सही है। अगर आपको लगता है कि हर रिश्ते में आप ही सही हैं और सामने वाला गलत, तो शायद समस्या रिश्तों में नहीं, हमारी दृष्टि में है। इसी तरह अगर आपको लगता है कि अक्सर हर जगह, लोग आपको समझ नहीं पाते है, तो संभव है कि आपको खुद को और स्पष्ट करना सीखना होगा। दोस्तों, अगर आप अपनी पूर्ण क्षमता को खोज कर इस जीवन को बेहतरीन तरीके से जीना चाहते हैं, तो आज से एक छोटा-सा प्रयोग कीजिए। जब अगली बार मन कहे, सामने वाले ने गलत किया, तो एक पल रुककर खुद से पूछिएगा, यहाँ मैं और क्या बेहतर कर सकता था? यह प्रश्न आपको कमजोर नहीं, बल्कि भीतर से मजबूत बनाएगा। याद रखिएगा दोस्तों, दूसरों को बदलना हमारे वश में नहीं है, लेकिन खुद को बदलना हमेशा हमारे हाथ में होता है और सबसे सुंदर बात यह है, जब आप खुद में बदलाव लाते हैं, तो बिना कुछ कहे आपके आसपास का माहौल भी बदलने लगता है क्योंकि लोग आपके शब्दों से नहीं, आपके व्यवहार से सीखते हैं।

दोस्तों, इसलिए आज संकल्प लें, हम आईने को साफ़ करने की ज़िद छोड़ेंगे, और अपने चेहरे की सफ़ाई शुरू करेंगे। हम दूसरों की गलतियाँ गिनने से पहले खुद को देखने का साहस करेंगे क्योंकि जो खुद को सुधार लेता है, वही दुनिया को सुधारने की दिशा में पहला सच्चा कदम उठाता है। यही असली परिपक्वता है और सच्ची बुद्धिमानी है।

एन.एस.एस के 70 छात्रों ने जिम्मी मगिलिगन सेंटर आकर इको-फ्रेंडली जीवन सीखा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय, इंदौर से राष्ट्रीय सेवा शिविर के 70 छात्र अपने शिक्षकों ,कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चेतन सराठे, प्रो. संगीता डुडबे, प्रो. पूजा सोलंकी, प्रबंधन समिति के सदस्यगण और श्री हर्ष नगर के साथ शैक्षणिक भ्रमण पर सनावदिया स्थित जिम्मी मगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर आए।

सेंटर की संस्थापिका पद्मश्री डॉ श्रीमती जनक पलटा मगिलिगन ने उनका सस्नेह स्वागत कर, अपना और उनकी 1/2 एकड़ निजी जमीन पर उनके पति स्वर्गीय जिम्मी मगिलिगन द्वारा प्राकृतिक साधनों से सस्टेनेबल जीवन जीने के लिए ,बनाये गए पूर्णतय इको-फ्रेंडली आवासीय भवन गिरिदर्शन दिखाया। इसके बाद अपने पति के आकस्मिक निधन के बाद पिछले 15 साल में इस

भवन के चारों तरफ जैवविविधता से ओतप्रोत, हरे भरे फल फूलों से लदे हुए पेड़ो पर आनन्दित पक्षी ,रासयनमुक्त गेंहू-चने ,सब्जिया ,औषधीय पौधे, शुद्ध हवा, शुद्ध मिटटी,शुद्ध पानी की जानकारी देती जनक दीदी के साथ सभी ने शैक्षणिक भ्रमण का आनंद लिया। भ्रमण के दौरान जनक दीदी ने स्वयं प्रतिभागियों को अपने पूर्णतः जैविक एवं रसायनमुक्त परिसर का अवलोकन कराया। उन्होंने विस्तारपूर्वक बताया कि वर्ष 1985 में चण्डीगढ़ छोड़ कर बहाई पायनियर के नाते उन्होंने आदिवासी लडकियों के सशक्तिकरण के लिए इंदौर में बरली संस्थान बनाने के लिए 6 एकड़ बंजर भूमि को अपने पति के सहयोग से निरंतर परिश्रम, संकल्प एवं दूरदृष्टि से हरे-भरे, आत्मनिर्भर एवं पर्यावरण-संरक्षक मॉडल स्थापित कर 26 साल बाद सेवान्वृत होकर सनावादिया में यह 1/2 एकड़ जमीन ने उन्हें ससटेनेबल बनाया है। उन्होंने सौर ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए परिसर में स्थापित सोलर हाइब्रिड पावर प्लांट की जानकारी दी, जिसके माध्यम से 19 सोलर स्ट्रीट लाइटें संचालित होती हैं तथा लगभग 50 आदिवासी परिवारों को विद्युत सुविधा प्रदान की गई है। साथ ही उन्होंने बताया कि वर्ष 1988 से वे जर्मनी निर्मित पैराबोलिक सौर कुकर का उपयोग कर रही हैं, जिसके माध्यम से बिना बिजली एवं बिना प्रदूषण के भोजन तैयार किया जाता है।

14 फरवरी को होगी कार्यशाला

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम को निर्यात संबंधी नियम-कायदों की जानकारी देने के लिए आगामी 13 फरवरी से प्रदेश के 7 संभागों में संभागीय स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन एवं जागरूकता कार्यशाला होगी। पहली कार्यशाला 13 फरवरी 2026 को उज्जैन में आयोजित की गई है। इसके अलावा अलावा 14 फरवरी को इंदौर में, 27 फरवरी को भोपाल, 28 फरवरी को जबलपुर, 7 मार्च को ग्वालियर, 13 मार्च को रीवा एवं 14 मार्च 2026 को सागर में संभाग-स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन एवं जागरूकता कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

रॉबर्ट नर्सिंग होम परिसर इंदौर में 30 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक नया भवन बनेगा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

नई इमारत जी प्लस 4 होगी, जनरल और स्पेशल दोनों तरह के होंगे वार्ड

आने वाले दिनों में रॉबर्ट नर्सिंग होम परिसर में 100 बिस्तरों का एक अत्याधुनिक अस्पताल भवन बनेगा। इस भवन की अनुमानित लागत 30 करोड़ रुपए होगी। यह इमारत 24 हजार वर्गफीट में बनेगी, जो जी प्लस 4 होगी। इस इमारत में स्त्री रोग, हृदय रोग विभाग सहित आईसीयू आदि होंगे। साथ ही मरीजों की सुविधा के लिये जनरल और स्पेशल दोनों तरह के वार्ड होंगे। यह जानकारी आज रॉबर्ट नर्सिंग होम परिसर में आयोजित बैठक में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने दी। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने बताया कि नये भवन के निर्माण संबंधी प्रक्रिया आगामी तीन महिनों में पूरी कर ली जाएगी। बैठक में रॉबर्ट नर्सिंग होम के ट्रस्टियों ने प्रस्तावित नये भवन की डिजाइन दिखायी। बैठक में रॉबर्ट नर्सिंग होम ट्रस्ट की ओर से डॉ. विजयसेन यशलाहा, डॉ. मुकेश खापरा, श्री किशोर रघुवंशी, डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, श्री सर्वज्ञ भटनागर, सिस्टर अर्चना एवं आर्किटेक्ट श्री पी.के. केमकर शामिल हुए। डॉ. खाड़े ने कहा कि इंदौर का रॉबर्ट नर्सिंग होम वर्षों पुराना स्थापित अस्पताल है। जहां सभी तरह के मरीज उपचार के लिये आते हैं। रियायत दर पर मरीजों का उपचार किया जाता है। डॉ खाड़े ने आगे कहा कि मरीजों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए रॉबर्ट नर्सिंग होम परिसर में 100 बिस्तरों का एक नया अत्याधुनिक भवन बनाना प्रस्तावित है। इस भवन के लिये जगह चिन्हित कर ली गई है। डॉ. खाडे ने रॉबर्ट नर्सिंग होम से जुड़े अन्य विषयों पर भी चर्चा की।

पॉश कॉलोनियों में खुलेआम नशाखोरी, बायपास और सुपर कॉरिडोर भी बने हॉटस्पॉट

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में खुलेआम सड़कों और प्रमुख चौराहों पर बढ़ती नशाखोरी की घटनाओं ने प्रशासन के सुरक्षा और जागरूकता के दावों पर सवालिया निशान लगा दिया है। शासन द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विभिन्न अभियान धरातल पर निष्प्रभावी साबित हो रहे हैं क्योंकि नशा करने वाले लोग बिना किसी डर के सार्वजनिक स्थानों पर जमावड़ा लगा रहे हैं। हाल ही में जिला कलेक्टर शिवम वर्मा ने एक समीक्षा बैठक के दौरान निर्देश दिए थे कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में नशाखोरी के खिलाफ व्यापक स्तर पर जागरूकता लाई जाएगी। प्रशासन की योजना के अनुसार स्कूल, कॉलेज और पंचायत स्तर पर विशेष नशामुक्ति जागरूकता समितियां गठित करने की तैयारी है, लेकिन इन प्रयासों के बीच जमीनी हकीकत यह है कि नशेड़ियों में कानून का कोई भय दिखाई नहीं दे रहा है।

बायपास और सुपर कॉरिडोर पर नशे का बढ़ता प्रभाव

शहर के बायपास और सुपर कॉरिडोर जैसे इलाके अब नशे के प्रमुख हॉटस्पॉट में तब्दील हो चुके हैं। इन सुनसान क्षेत्रों का लाभ उठाकर लोग शराब की दुकानों से शराब खरीदते हैं और फिर पास के खाली मैदानों या सड़कों के किनारे नशा करने बैठ जाते हैं। चिंताजनक पहलू यह है कि नशाखोरी का यह दौर सुबह से ही शुरू हो जाता है, जिससे वहां से गुजरने वाली महिलाओं और बच्चों को असुरक्षा का सामना करना पड़ता है। खुले में नशा करने की वजह से इन क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे गंभीर आपराधिक घटनाओं की आशंका भी निरंतर बनी रहती है।

पॉश कॉलोनियों और प्रमुख चौराहों की बदहाली

नशाखोरी का यह जाल सिर्फ सुनसान इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के व्यस्त और पॉश क्षेत्रों में भी फैल चुका है। बंगाली चौराहा, नंदा नगर और पीपल्याहाना जैसी विकसित कॉलोनियों में भी शराब दुकानों के आसपास लोग बेरोकटोक नशा करते हुए देखे जा सकते हैं। स्थानीय निवासियों की शिकायत है कि न तो आबकारी विभाग इन दुकानों पर सख्ती कर रहा है और न ही पुलिस प्रशासन द्वारा इन स्थानों पर कोई प्रभावी गश्त की जा रही है। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने और नशा करने की प्रवृत्ति से न केवल आम नागरिकों का सुकून छिन रहा है, बल्कि इससे शहर के सामाजिक वातावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

कलेक्टर बोले हॉटस्पॉट की लिस्टिंग की जाएगी

बढ़ती शिकायतों के बीच कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा है कि नशा समाज और युवाओं के भविष्य के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा है। उन्होंने जोर दिया है कि पुलिस, जिला प्रशासन, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक समाज को मिलकर एक साझा मोर्चे पर काम करना होगा। कलेक्टर के अनुसार, शहर के उन संवेदनशील इलाकों की सूची तैयार की जा रही है जहां नशाखोरी सबसे अधिक है। इन चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्रों में आने वाले दिनों में विशेष निगरानी रखी जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ताकि शहर की कानून व्यवस्था और मयार्दा बनी रहे।

अधूरी तैयारियों के साथ ट्रैफिक के लिए खोला बायपास का रालामंडल ब्रिज

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के बायपास पर तीन साल बाद बनकर तैयार हुए रालामंडल ब्रिज को आधी-अधूरी तैयारियों के साथ ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया है। अभी मांगलिया से तेजाजी नगर की तरफ जाने वाली लेन ही ट्रैफिक के लिए खोली गई है। दूसरी लेन पर ट्रैफिक नहीं शुरू किया गया। बीते चार दिनों से ट्रैफिक का ट्रायल रन इस ब्रिज पर किया जा रहा था।

छह लेन ब्रिज का काम तीन साल पहले शुरू हुआ था। इसकी समयसीमा एक साल थी, लेकिन दो साल देरी से यह ब्रिज बना। इस ब्रिज के शुरू होने से रालामंडल की तरफ जाने वाले ट्रैफिक की राह भी आसान होगी। ब्रिज के नीचे से ट्रैफिक रालामंडल व तिल्लौर की तरफ जा सकेगा। जब छह लेन बायपास बना था, तब इस तरफ जाने के लिए वाहन चालकों को काफी घूम कर जाना पड़ता था। ग्रामीणों ने डिवाइडर तोड़कर रास्ता बना लिया था, लेकिन उससे हादसे होने लगे थे। फिलहाल जो ब्रिज बना है, उसके डिवाइडर अभी पूरी तरह नहीं बने हैं। वहां रेत की बोरियां रखी गई हैं। इसके अलावा कई जगह फिनिशिंग भी नजर नहीं आ रही है। इसके निर्माण पर चालीस करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। ब्रिज की लंबाई 800 मीटर है। अब बायपास अर्जुन बड़ौद व एमआर-10 के ब्रिज को ट्रैफिक के लिए खोला जाएगा, हालांकि इसमें तीन से चार माह का समय लगेगा। अर्जुन बड़ौद ब्रिज में देरी के कारण अक्सर बायपास पर ट्रैफिक जाम होता है। छह माह पहले 30 घंटे से ज्यादा के ट्रैफिक जाम के दौरान तीन लोगों की मौत भी हो चुकी है।

पान की दुकान पर काम करते वक्त आया हार्ट अटैक

इंदौर। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र स्थित बिचौली मदार्ना के पास एक पान की दुकान में काम कर रहे युवक को हार्ट अटैक से मौत हो गई है। आसपास के लोगों ने युवक को तुरंत एमवाय अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 22 वर्षीय कुलदीप के रूप में की गई है। वह अपने चाचा भगवत सिंह की दुकान पर काम कर रहा था। रविवार की रात अचानक तबियत बिगड़ी और बेहोश होकर गिर गया। बताया जा रहा है कि, वह 5-6 महीने पहले की इंदौर आया था। उसके चाचा दुकान चलाते थे और वह निजी कंपनी में नौकरी करता था। भगवत सिंह को दो दिन के लिए बाहर जाना था, इसलिए दुकान पर कुलदीप बैठा था।

डेढ़ लाख पशुओं को लगेंगे टीके, डेटा भी होगा ऑनलाइन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पशुओं के टीकाकरण और कृत्रिम गभार्धान सेवाओं को पारदर्शी बनाने के लिए पशुपालन एवं डेरी विभाग ने नई डिजिटल व्यवस्था लागू की है। इस व्यवस्था के तहत अब टीकाकरण के बाद पशुपालक को ओटीपी बताना होगा, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि सही पशुपालक के सही पशु को ही टीका लगाया गया है।

प्रदेशभर में खुरपका मुंहपका रोग (फुट एंड माउथ डिजीज) से बचाव के लिए एफएमडी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इंदौर जिले में यह अभियान 1 जनवरी से शुरू हुआ है, जो 15 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान जिले में करीब डेढ़ लाख पशुओं को एफएमडी का टीका लगाया जाना है। अभियान को डिजिटल करते हुए विभाग द्वारा हर पशुपालक का आधार नंबर लेकर रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। 15 फरवरी से टीकाकरण के बाद वन टाइम पासवर्ड यानी ओटीपी दर्ज करना अनिवार्य होगा। ओटीपी के माध्यम से यह पुष्टि होगी कि टीकाकरण वास्तविक लाभार्थी के पशु को ही किया गया है। यह पूरा डाटा भारत पशुधन ऐप पर सुरक्षित रूप से दर्ज किया जा रहा है।

पुलिसकर्मी की पत्नी ने की खुदकुशी सुबह पति ने फंदे पर लटका देखा पांच साल पहले हुई थी शादी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर में पदस्थ एक पुलिसकर्मी की पत्नी ने आत्महत्या कर ली। पति सुबह उठे तो उन्होंने अपनी पत्नी का शव फंदे पर लटके देखा। महिला ने आत्महत्या क्यों की, इसकी वजह का पता नहीं चला है। पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला।

बता दें, शैलेंद्र जादौन इंदौर पीटीएस में प्रधान आरक्षक हैं। वे मूलतः मुरैना के रहने वाले हैं, लेकिन कुछ वर्षों से इंदौर के पीटीएस परिसर में रह रहे थे। उनकी पत्नी स्नेहा जादौन ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पता चला है कि आए दिन दोनों के बीच अनबन होती थी, लेकिन मौत की वजह का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने स्नेहा का मोबाइल जब्त किया है। कई बार सुसाइड मैसेज रिकॉर्ड भी किया जाता है। पुलिस उसकी जांच कर रही है।

पति ने दी पुलिस को सूचना

सोमवार सुबह पति शैलेंद्र ने पत्नी को फंदे पर लटका देखा तो पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मामला जांच में ले लिया है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। स्नेहा और शैलेंद्र की पांच साल पहले शादी हुई थी। दोनों को एक तीन साल का बच्चा है। शैलेंद्र के भाई सत्येंद्र भी पुलिस में होकर संयोगितागंज थाने में पदस्थ हैं।

मुरैना में मायका

स्नेहा के पिता आर्मी से रिटायर्ड हैं। आत्महत्या की वजह अभी पुलिस को पता नहीं चली है। परिजनों के भी अभी ठीक से बयान नहीं हो पाए हैं। जिस कमरे में स्नेहा ने फांसी लगाई, उसकी जांच भी पुलिस ने की। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्नेहा के मायके पक्ष के लोग भी मुरैना से इंदौर के लिए रवाना हो गए।

हीरानगर पुलिस की कामयाबी शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर में लगातार हो रही चोरी, नकबजनी और वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए इंदौर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हीरानगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की कुल पांच मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस कमिश्नर इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-3 राजेश व्यास एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-3 राजस्नेही मिश्रा के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस आयुक्त हीरानगर रुबीना मिजवानी के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। थाना हीरानगर पुलिस के अनुसार 6 फरवरी 2026 की रात चन्द्रगुप्त मौर्य चौराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल चालक को रोका गया। मोटरसाइकिल की आगे की नंबर प्लेट टूटी हुई थी, जबकि पीछे की नंबर प्लेट पर अंक अधूरे और संदिग्ध थे। पूछताछ में चालक ने अपना नाम मयंक उर्फ चिराग उर्फ चिमायला अठोनिया (22 वर्ष), निवासी सेठीनगर माता मंदिर के पास, विजय नगर इंदौर बताया। जब उससे वाहन के कागजात मांगे गए तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और मौके से भागने का प्रयास करने लगा, जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया।

सड़क के बीच में बिछी है नर्मदा लाइन, आसान नहीं होगा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाना

व्हाइट चर्च चौराहे पर पथरीली जमीन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में छह किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की कवायद की जा रही है, लेकिन उसे बनाना इतना आसान भी नहीं होगा, क्योंकि जब बीआरटीएस कॉरिडोर पंद्रह साल पहले बनाया गया था, तब नर्मदा लाइन सड़क के बीच वाले हिस्से में डाली गई थी। इसके अलावा हर चौराहे पर सीवरेज के बड़े पाइप भी क्रॉस हुए हैं। यदि एबी रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर बनता है तो जगह-जगह लाइनों को शिफ्ट करना होगा। इसमें काफी समय लगेगा।

बीआरटीएस निर्माण की समयसीमा दो साल तय की गई थी, लेकिन उसके बनने में पांच साल से अधिक का समय लगा, क्योंकि एबी रोड पर ट्रैफिक का दबाव काफी रहता है। ट्रैफिक को दूसरे रूटों पर भी ज्यादा डायवर्ट नहीं किया जा सकता है। यह परेशानी एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने में भी आएगी। एलिवेटेड कॉरिडोर के कॉलम बनाने के लिए जमीन में गहरी खुदाई करना होगी। इसमें सबसे ज्यादा समय गीता भवन से जीपीओ के बीच लगेगा। यहां पथरीला हिस्सा है। सीवरेज लाइन बिछाने के लिए इस हिस्से में चट्टानें तोड़ने के लिए विस्फोट का इस्तेमाल किया गया था। यहां लाइन शिफ्ट करना पड़ी तो उसके लिए भी अलग से खुदाई करना होगी।

लंबी दूरी का ट्रैफिक और होगा कम

एलआईजी से भंवरकुआं या राजीव गांधी चौराहे तक शहरवासियों को जाना हो तो वे अब रिंग रोड का उपयोग करने लगे हैं, क्योंकि खजराना चौराहा, बंगाली चौराहा, वर्ल्ड कप चौराहा, पालदा चौराहा पर ब्रिज बनने से अब रिंग रोड पर समय कम लगता है। इस मार्ग पर मुसाखेड़ी और आईटी चौराहे पर भी ब्रिज बन रहे हैं। इसके बाद ट्रैफिक और आसान हो जाएगा। एलिवेटेड कॉरिडोर को लेकर याचिका लगाने वाले अतुल शेठ का कहना है कि रिंग रोड के कारण वैसे ही एबी रोड के ट्रैफिक का दबाव कम हो जाएगा। इस कारण एलिवेटेड कॉरिडोर ज्यादा उपयोगी साबित नहीं होगा। पहले जब इसे लेकर सर्वे हुआ था, तब ट्रैफिक चार प्रतिशत आया था।

परीक्षा की तैयारी मेहनत से करें, तनाव लेकर नहीं : डॉ. यादव

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं। देश की बागडोर आगे चलकर इन्हें ही संभालनी है। इसलिए सभी विद्यार्थी अपने कौशल, ज्ञान और प्रदर्शन में निरंतर सुधार कर खुद को निखारें। परीक्षा की तैयारी पूरी मेहनत और लगन से करें, तनाव बिलकुल भी न लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परीक्षा हमारे जीवन का एक पड़ाव मात्र है, अंतिम लक्ष्य नहीं।

मेहनत करना आपकी आदत में होना चाहिए, लेकिन तनाव को खुद पर हावी न होने दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए परीक्षा के वक्त आत्मविश्वास, अनुशासन और संतुलित दिनचर्या ही सफलता की अंतिम कुंजी है। स्वयं पर सदैव विश्वास बनाए रखें, किसी बात से डरकर नहीं, डटकर आगे बढ़िए और अपने सभी सपनों को साकार कीजिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को भोपाल के शासकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट विद्यालय में बोर्ड परीक्षाओं से पहले परीक्षा पर संवाद - 2026 कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को बेहतर तैयारी के लिये मार्गदर्शन भी दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी विद्यार्थियों से परीक्षा के समय खुद को तनाव से दूर रखते हुए निरंतर भरपूर मेहनत करने और जितना भी हो सके, अच्छे अंक लाने की अपील की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, नियमित अभ्यास और किसी भी हालात में खुद पर विश्वास बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि असफलता से घबराने की बजाए उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही एक सशक्त व्यक्तित्व की पहचान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें सकारात्मक सोच के साथ अपना भविष्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ने की समझाइश दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परीक्षा के समय सभी विद्यार्थी पर्याप्त नींद लें। पढ़ाई का एक शेड्यूल निर्धारित करें। किसी विषय के अध्ययन के बाद उस पर चिंतन-मनन की आदत डालें। केवल अक्षर ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को अपने मित्रों और शिक्षकों के साथ पाठ्यक्रम के विषयों पर चर्चा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्रा लक्ष्मी तिवारी के प्रश्न पर कहा कि माता-पिता और बच्चों के बीच परस्पर संवाद होते रहना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से पूछा कि परीक्षा से कौन-कौन डरते हैं या किसको डर नहीं लगता है? इस पर छात्र आदित्य ने कहा कि रेगुलर तैयारी करेंगे तो परीक्षा से बिल्कुल भी डर नहीं लगेगा। सिलेबस को डिवाइड कर रिवीजन करना चाहिए। छात्रा सरस्वती ने कहा कि हमें परीक्षा देते समय खुद पर विश्वास रखना चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा है कि परीक्षा एक उत्सव की तरह है। छात्रा तान्या दुबे ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि वे हमेशा आत्मविश्वास के साथ परीक्षा हॉल में प्रवेश करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्रों से पूछा कि परीक्षा के समय में पेपर में आए प्रश्नों का उत्तर देने में चयन कैसे करते हैं? इस पर छात्र हिमांशु ने कहा कि वह सबसे पहले अच्छी तरह से आने वाले प्रश्नों को हल करते हैं।

मंदिर की दीवार पर किया पेशाब, पुलिस से कान पकड़कर माफी मांगते दिखे नशेड़ी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश के इंदौर में तीन नशेड़ियों की शर्मनाक करतूत का मामला सामने आया है। यहां शराब पीकर टलनी हुए नशेड़ियों की धार्मिक स्थल पर असामाजिक हरकत से लोग आक्रोशित हो गए। मामला रावजी बाजार थाना क्षेत्र के मोती तबेले इलाके में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर का है। लोगों की शिकायत के बाद तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक नशे में धुत तीनों युवक, राजा दुबे, कमल अहिरवार और अर्पित चौहान, मंदिर की दीवार पर पेशाब कर रहे थे। यहां लोगों ने वीडियो तो बनाए वहीं सीसीटीवी फुटेज में भी ये घटना कैद हो गई। जिसे देखकर लोगों ने बजरंग दल से इसकी सूचना दी। विहिप नेता तन्नू शर्मा ने भी इसकी शिकायत की थी। इसके बाद रावजी बाजार पुलिस ने तत्काल एक्शन लेते हुए आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीनों को गिरफ्तार किया। जब उनसे पूछताछ की गई। तो पुलिस के खौफ के बाद उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली। इसके बाद वह थाने में कान पकड़कर माफई मांगते नजर आए। उन्होंने पुलिस को बताया कि वे नशे की हालत में थे। वहीं उन्होंने कसम खाई कि भविष्य में ऐसी हरकत नहीं करेंगे। इस घटना से इलाके में काफी आक्रोश है। बता दें कि मामले में बजरंग दल और अन्य हिंदू संगठनों ने कड़ी कार्रवाई की मांग भी की थी। उनका कहना था कि तभी धार्मिक स्थलों पर ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाई जा सकेगी।

मंदिर की छत गिरने से तीन मासूम बच्चियों की मौत, चार महिलाएं गंभीर घायल, प्रसाद चढ़ाने के दौरान हादसा

मुरैना ■

मुरैना जिले के अहरौली गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में तीन मासूम बच्चियों की मौके पर ही मौत हो गई। गांव के मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के दौरान अचानक मंदिर के छत की पटिया टूटकर गिर गई, जिसकी चपेट में आकर बच्चियों की जान चली गई।

हादसे के समय मंदिर के ऊपर निर्माण कार्य चल रहा था। बताया जा रहा है कि उसी दौरान पटिया कमजोर होकर भरभराकर गिर पड़ी। घटना में चार महिलाएं और कुछ अन्य बच्चियां भी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। बताया जा रहा है कि गांव में ही रहने वाले सतीश गौड़ अपनी पत्नी पृथ्वी के साथ मंदिर में प्रसाद चढ़ाने पहुंचे थे। प्रसाद देने के लिए उन्होंने कुछ बच्चियों को मंदिर के भीतर बुला लिया। इसी दौरान मंदिर की पुरानी छत की पटिया अचानक गिर गई, जिससे नीचे बैठी बच्चियां मलबे में दब गईं। इस हादसे में वैष्णवी सिकरवार, छाया गोस्वामी और करिश्मा गोस्वामी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और मलबा हटाकर घायलों व शवों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही एसडीएम जौरा शुभम शर्मा, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। सभी घायलों को कैलारस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय निवासी लालू शर्मा ने बताया कि चामड़ माता मंदिर की स्थापना करीब 150 साल पहले हुई थी। प्रारंभ में यह केवल चबूतरे के रूप में था। करीब सात साल पहले ग्रामीणों ने चंदा इकट्ठा कर दीवारें और छोटी पटियाओं के सहारे छत का निर्माण कराया था। हाल ही में पुरानी और कमजोर छत को हटाए बिना मंदिर पर गुंबद बनाने का काम शुरू किया गया था। अतिरिक्त भार सहन न कर पाने के कारण छत की पतली पटियाएं टूट गईं और यह हादसा हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं प्रशासन ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

किसानों के हितों से समझौता नहीं, भारतीय मसालों को मिलेगा बड़ा बाजार...

भोपाल ■

भारत-अमरीका ट्रेड डील पर डेयरी और कृषि उत्पादों को लेकर कई दिन से तरह-तरह की चचाएं चल रही थीं। इसी बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रेसवार्ता कर खेती-किसानी से जुड़े मामले पर बात रखी। कहा कि यह समझौता किसानों को पूरी तरह से सुरक्षित रखता है।

भारतीय किसानों के कई कृषि उत्पादों को अमरीका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा, लेकिन अमरीकी किसानों के कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में यह छूट नहीं मिली है। भारत के कृषि और डेयरी के हित पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, अमरीका ने कृषि क्षेत्र के कई उत्पादों पर टैरिफ में बड़ी कटौती की है। जो टैरिफ पहले 50 प्रतिशत तक था, उसे घटाकर शून्य कर दिया है।

विदेशी कृषि उत्पादों को देना होगा टैरिफ

शिवराज ने कहा कि हमारे मसालों को अमरीका में भी नया और बड़ा बाजार मिलेगा। भारत पहले से ही मसालों के वैश्विक बाजार में मजबूत स्थिति रखता है। दुनिया के करीब 200 स्थानों पर भारत मसाले और मसालों के उत्पाद निर्यात करता है। इस समझौते से मसालों और अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात में तेजी आएगी। अगर विदेशी कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में आते हैं तो उन्हें टैरिफ देना होगा। हमारे किसानों को पूरी छूट प्राप्त है। यही इस डील की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा, मसाले, चाय, कॉफी, नारियल, नारियल तेल, सुपारी, काजू, वनस्पति वैक्स, एवोकाडो, केला, अमरूद, आम, कीवी, पपीता, अनानास, मशरूम और कुछ अनाज में टैरिफ शून्य रहेगा। शिवराज ने कहा कि ऐसा कोई भी उत्पाद समझौते में शामिल नहीं है, जिससे हमारे किसानों को नुकसान हो।

जहर खाकर कंट्रोल रूम पहुंचा हेड कांस्टेबल, पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया

नीमच ■

नीमच पुलिस लाइन में पदस्थ 50 वर्षीय हेड कांस्टेबल होशियार सिंह ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले वह जहरीला पदार्थ खाने के बाद सीधे पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचा, जहां उसने अपनी हालत के बारे में बताया। सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम में हड़कंप मच गया।

हेड कांस्टेबल को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर ज्ञानोदय अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक हेड कांस्टेबल होशियार सिंह ने आत्महत्या से पहले तीन पेज का सुसाइड नोट लिखा था, जो डीजीपी, डीआईजी और एसपी के नाम संबोधित था। सुसाइड नोट में उन्होंने पुलिस महकमे में व्याप्त भ्रष्टाचार का उल्लेख किया है और कुछ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी लिखा कि उनका शिकायती पत्र वायरल हो गया है और उन्हें अपने ही विभाग के लोगों से जान का खतरा है। सुसाइड नोट में यह भी आरोप लगाया गया है कि थाना, पीसीआर और जिम जैसी पोस्टिंग पैसों के दम पर दी जाती हैं। हेड कांस्टेबल ने आत्महत्या करने की अनुमति मांगे जाने जैसी बातों का भी जिक्र किया है। बताया जा रहा है कि होशियार सिंह पिछले कुछ दिनों से छुट्टी पर थे।

मुख्यमंत्रीः हॉक फोर्स के 60 जवानों को आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन, 100 करोड़ से अधिक की सौगात भी दी

बालाघाट ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को हेलिकॉप्टर से सीधे बालाघाट पहुंचे। आगमन के बाद उन्होंने सबसे पहले शहीद स्मारक पहुंचकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने जिले में अब तक हुई नक्सली गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री पुलिस लाइन में आयोजित साहसिक अभियान कार्यक्रम में हॉक फोर्स के 60 जवानों को आउट-ऑफ-टर्न पदोन्नति प्रदान करेंगे। ये वही जवान हैं, जिन्होंने 14 जून 2025 को रूपझर थाना क्षेत्र के पचामादादर-कटेझिरिया पहाड़ी जंगल में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया था। इस अभियान में हॉक फोर्स ने प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के मलाजखंड दलम के पांच नक्सलियों को मार गिराया था। मुख्यमंत्री के हाथों पदोन्नति प्राप्त करने वालों में विपिन चंद्र खलको, शुभम प्रताप सिंह तोमर, रत्नेश मीणा, मनोज कुमार यादव, प्रदीप कुमार परते, सुनील सिंह कुशवाह सहित कुल 60 जवान शामिल हैं। इस सम्मान से सुरक्षा बलों का मनोबल और अधिक बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री जिले को विकास कार्यों की बड़ी सौगात भी देंगे। वे कुल 100 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत के 27 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। इनमें 31 करोड़ 07 लाख रुपए के 7 कार्यों का भूमिपूजन तथा 69 करोड़ 83 लाख रुपए के 20 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली थीं। इस दौरे से जहां सुरक्षा बलों का हौसला बढ़ा है, वहीं जिले में विकास को नई गति मिलने की उम्मीद भी जताई जा रही है।

परमहंस स्वामी सच्चिदानंद महाराज ब्रह्मलीन, मुख्यमंत्री ने दी अंतिम विदाई

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले के अंतर्गत आने वाले धारकुंडी धाम में धारकुंडी आश्रम के संस्थापक, परमहंस स्वामी सच्चिदानंद महाराज के अंतिम दर्शन में रविवार को श्रद्धा और शोक का जनसैलाब उमड़ पड़ा। 102 वर्ष की आयु में महाप्रयाण करने वाले इस युगपुरुष संत के ब्रह्मलीन होने से संपूर्ण विंध्य क्षेत्र शोकाकुल है। वहीं, उनके चरणों में अंतिम नमन के लिए लाखों श्रद्धालु भाव-विह्वल नजर आए। रविवार दोपहर मुंबई के बदलापुर आश्रम से संतों के काफिले के साथ स्वामीजी की पार्थिव देह धारकुंडी पहुंची हर कोई शोक में डूबा नजर आया। वीरेंद्र महाराज, अनिल महाराज, कमलेंद्र महाराज और जगदीश महाराज सहित संत समाज का काफिला जबलपुर, अमरपाटन, मैहर, रीवा होते हुए बड़ी सेमरिया मार्ग से धारकुंडी पहुंचा। मार्ग में गांव-गांव श्रद्धालु कतारबद्ध खड़े रहे और पुष्पवर्षा कर अपने आराध्य को अंतिम विदाई दी। धारकुंडी आश्रम पहुंचते ही परिसर आस्था के महासागर में बदल गया।

जिम संचालक माज छात्रा से दुष्कर्म और लव जिहाद में गिरफ्तार, मदद करने वाला हवलदार निलंबित

भोपाल ■

राजधानी भोपाल में एमडी ड्रग्स तस्करी का गिरोह चलाने वाले यासीन मछली गैंग से जुड़े एक बदमाश को भोपाल पुलिस ने नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म में सहयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी जिम संचालक है और वह यासीन के गिरोह में रहकर मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त बताया जा रहा है, हालांकि माज की गिरफ्तारी तस्करी में नहीं हुई है। माज का बड़ा भाई मोनिस खान यासीन मछली गिरोह के लिए तस्करी करने के आरोप में पकड़ा जा चुका है। वह वर्तमान में जेल में है। 11वीं की छात्रा के साथ माज की थार में ही आरोपी ने दुष्कर्म कर वीडियो बनाया था।

खानूगांव क्षेत्र में किया था दुष्कर्म, मुख्य आरोपी जेल में

पुलिस के अनुसार नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म करने वाला ओसाफ 12वीं का छात्र है और बालिग है। उसके पिता डॉक्टर और मां शासकीय स्कूल में टीचर हैं। ओसाफ अक्सर छात्रा की सहेली से मिलने स्कूल के आसपास आता था। इसी सहेली के माध्यम से उसकी पहचान पीड़िता से हुई। पिछले साल जुलाई में आरोपी ने पीड़िता को भोपाल घुमाने के बहाने बुलाया और खानूगांव के सुनसान इलाके में ले गया। वहां कार के अंदर आरोपी ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसने शादी का झांसा देकर उसे चुप करा दिया। ओसाफ ने पीड़िता को पता चले बिना दुष्कर्म के दौरान का अश्लील वीडियो बना लिया था। कुछ समय बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर छात्रा से एक लाख रुपये की मांग की। बदनामी के डर से छात्रा ने किसी तरह 40 हजार रुपये का इंतजाम कर आरोपी को दिए। 40 हजार रुपये लेने के बाद भी ओसाफ की ब्लैकमेलिंग जारी रही। वह बार-बार शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालता रहा। तंग आकर छात्रा ने उसे सोशल मीडिया और फोन पर ब्लॉक कर दिया, तो ओसाफ ने अलग-अलग फोन नंबरों से कॉल कर परेशान किया। जब छात्रा नहीं मानी, तो ओसाफ ने निजी वीडियो छात्रा के दोस्तों को दिखा दिया। इसके बाद छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई। ज्ञात हो कि ओसाफ को कोर्ट में पेशी के दौरान अधिवक्ताओं ने जमकर पीटा था। वह वर्तमान में जेल में बंद है।

कोहेफिजा थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल शुक्ला ने बताया कि 2 जनवरी को 11वीं की छात्रा से थार कार के अंदर दुष्कर्म करने, अश्लील वीडियो बनाकर नमाज पढ़वाने, मुस्लिम धर्म अपनाने और ब्लैकमेल कर एक लाख रुपये ऐंठने का प्रकरण ओसाफ के खिलाफ दर्ज किया गया है। इस मामले में ओसाफ को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस की जांच में सामने आया कि नाबालिग छात्रा के साथ ओसाफ ने माज की थार कार में दुष्कर्म किया है। जिम संचालक माज को पुलिस ने आरोपी बनाया और उसकी गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त थार कार को जब्त करना था। इस मामले में थाने के प्रधान आरक्षक ज्ञानेन्द्र द्विवेदी की भूमिका संदिग्ध पाई गई थी। प्रधान आरक्षक द्विवेदी ने माज से को सरेंडर कराकर सीधे कोर्ट में पेश करने की योजना बना ली थी। इसकी सूचना के बाद प्रतिवेदन बनाकर डीसीपी जोन-3 को भेजा गया था। रविवार को डीसीपी जोन-3 ने प्रधान आरक्षक ज्ञानेन्द्र द्विवेदी को निलंबित कर दिया है। रविवार को आरोपी माज को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

ऑनलाइन गेम ने नाबालिग को बनाया कर्जदार

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा में एक नाबालिग ऑनलाइन गेम में पैसे हारने के बाद जब कर्जदार हो गया तो उसने अपने ही घर में चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। बताया जा रहा है कि, सीधी से रीवा एक वैवाहिक कार्यक्रम में अपनी मां के साथ आए नाबालिग बेटे ने करीब 15 लाख रुपए कीमत के मां के सोने के आभूषण पार कर दिए। हालांकि, शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल एक्शन लेते हुए चोरी की इस वारदात का खुलासा कर दिया है। साथ ही, नाबालिग के एक दोस्त के घर से चोरी गए जेवर भी बरामद कर लिए हैं। मामले को लेकर थाना प्रभारी आशीष मिश्रा का कहना है कि, सीधी में रहने वाले तिवारी परिवार की महिला रीवा स्थित अपनी बहन के घर एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने आई थीं।

एनएच-46 पर भीषण हादसा, कार को टक्कर मारते हुए पलटा ट्रक, 1 की दर्दनाक मौत

राजगढ़ ■

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा से गुजरने वाले नेशनल हाईवे नंबर-46 के फोरलेन पर अरन्या चौकी के पास बीती रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार ट्रक करीब 40 फीट तक लहराते हुए कार को टक्कर मारकर पलटी खा गया। हादसा इतना भीषण था कि, ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं ट्रक में सवार उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल है।

सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। इस भीषण सड़क दुर्घटना में उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के बदरवारा में रहने वाले 25 वर्षीय आकाश पिता कुवर पाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उसका सहायक 40 वर्षीय भीम सिंह पिता नेनसिंह गंभीर रूप से घायल हुआ है। घायल युवक को सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। बताया रहा है कि, ट्रक पहले ही अनियंत्रित हो चुका था। वहीं, कार से टकराते ही पलट गया। ये तो गनीमत रही कि, ट्रक कार पर नहीं पलटा, वरना हादसा और भी भयावह रूप धारण कर सकता था। फिलहाल, सिटी पुलिस मामले को जांच में जुट गई है। ट्रक में आरसी का माल फसल की दवाई आदि भरकर इंदौर से गाजियाबाद जा रहे थे। तभी अरन्या चौकी के पास हादसे का शिकार हो गए। पलटी खाने से ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है। बताया जा रहा है कि, ट्रक सवार दोनों चचा-भतीजा थे, जो इंदौर से माल भरकर गाजियाबाद के लिए निकले थे। फिलहाल, भतीजा भतीजा ट्रक चला रहा था, जबकि चाचा सहायत ते तौर पर मौजूद थे।

सस्ती शिक्षा की महंगी कीमतः भारतीय छात्रों की त्रासदी

प्रो. आरके जैन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

छात्रावास की शांत गलियों में अचानक गूंजती चीखें, फर्श पर बहता खून और भय से जमी आंखें–7 फरवरी 2026 की वह रात रूस के ऊफा शहर स्थित बश्कीर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के इतिहास पर एक काले अध्याय की तरह दर्ज हो गई। एक 15 वर्षीय किशोर परिसर में घुसा, सीधे डॉर्मिट्री पहुंचा और वहां मौजूद छात्रों पर बिना चेतावनी चाकू से हमला कर दिया। जहां कुछ देर पहले तक पढ़ाई, बातचीत और आराम का माहौल था, वहां पलभर में आतंक और अफरा-तफरी फैल गई। हमले में चार भारतीय छात्रों सहित छह लोग घायल हुए, जबकि दो पुलिसकर्मी भी इसकी चपेट में आए। शांत वातावरण देखते ही देखते भय के रणक्षेत्र में बदल गया। घायल छात्र अस्पताल में जिंदगी से जंग लड़ते रहे और हजारों किलोमीटर दूर भारत में उनके परिवार सदमे और बेचैनी में डूब गए। यह घटना केवल हिंसा नहीं थी, बल्कि उन सपनों पर किया गया क्रूर प्रहार थी, जिन्हें संजोकर हजारों युवा विदेश पढ़ने निकलते हैं।

अचानक गूंजती चीखों और भागते कदमों के बीच वह भयावह दृश्य सामने आया, जिसे प्रत्यक्षदर्शी शायद जीवन भर नहीं भुला पाएंगे। हमला पूरी तरह अप्रत्याशित और निर्दय था। कुछ छात्र खेल में मग्न थे, कोई घर बात कर रहा था, तो कोई परीक्षा की चर्चा में जुटा था। तभी किशोर ने चाकू निकालकर बिना चेतावनी हमला शुरू कर दिया। पलभर में अफरा-तफरी मच गई–कोई गिर पड़ा, कोई दीवार से टकराया, तो कोई घायल मित्र को संभालने में जुट गया। फर्श पर खून बहने लगा और हवा में दहशत घुल गई। चार भारतीय छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। प्रारंभिक रिपोर्टों ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी–गार्ड देर से पहुंचे और आपात इंतजाम नाकाम रहे। इस लापरवाही ने छात्रों के मन में गहरा भय भर दिया। अब वही छात्रावास, जो कभी घर जैसा लगता था, उन्हें असुरक्षित पिंजरा प्रतीत होता है। हजारों किलोमीटर दूर भारत में बैठे माता पिता के लिए यह खबर किसी वज्रपात से कम नहीं थी। जिन हाथों ने बच्चों को आशीर्वाद देकर विदा किया था, वे अब हर पल प्रार्थना में जुड़े रहते हैं। कई परिवारों ने खेत बेचे, गहने गिरवी रखे और कर्ज लेकर बच्चों की फीस भरी थी। उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि रूस में शिक्षा सुरक्षित, सस्ती और भविष्य निर्माण का मजबूत रास्ता है। लेकिन इस हमले ने उनके विश्वास को चकनाचूर कर दिया। अब हर फोन कॉल डर पैदा करता है और हर सुबह नई चिंता लेकर आती है। माता पिता यह सोचकर कांप उठते हैं कि कहीं अगली खबर और भी दर्दनाक न हो। विदेश में पढ़ाई का सपना अब

उनके लिए आशा नहीं, बल्कि अनिश्चितता और भय का प्रतीक बन गया है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस भारतीय मेडिकल छात्रों का बड़ा ठिकाना बन गया। कम फीस, आसान दाखिला और एनएमसी मान्यता ने हजारों युवाओं को आकर्षित किया। नीट की ऊंची कटऑफ और सरकारी सीटों की कमी ने उन्हें मजबूरी में विदेश भेजा। हर साल बड़ी संख्या में छात्र यहां एमबीबीएस करने पहुंचते हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक सहयोग पर कभी गंभीर ध्यान नहीं दिया गया। नस्लीय टिप्पणियां, रैगिंग, मारपीट और संदिग्ध मौतें पहले ही चेतावनी दे रही थीं। यह चाकू हमला उसी उपेक्षा का सबसे भयावह रूप बन गया। आज कई छात्र कहते हैं कि वे पढ़ाई से ज्यादा अपनी जान की चिंता करते हैं। एफएमजीई का कम पास प्रतिशत पहले ही दबाव बढ़ा रहा था, और अब भय ने उनके मनोबल को और कमजोर कर दिया है। इस घटना ने विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही और संवेदनहीनता की परतें एक-एक कर खोल दी हैं। छात्रावासों में सुरक्षा गार्डों की कमी, कमजोर सीसीटीवी और ढीली आपात व्यवस्था लंबे समय से खतरे की चेतावनी दे रही थीं, लेकिन उन्हें लगातार नजरअंदाज किया गया। डॉर्मिट्री जैसे व्यस्त और संवेदनशील स्थानों पर भी ठोस सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। यदि समय रहते निगरानी मजबूत की जाती और व्यवस्था को सख्त बनाया जाता, तो शायद यह त्रासदी टाली जा सकती थी। लेकिन लापरवाही ने हालात को भयावह बना दिया। अब साफ दिखता है कि विदेशी छात्रों को अक्सर केवल फीस का स्रोत माना जाता है। सवाल यह है–क्या इन संस्थानों के लिए छात्रों की जान की कोई अहमियत है, या वे सिर्फ रजिस्टर के आंकड़े बनकर रह गए हैं? सरकारी स्तर पर भी अब तक की प्रतिक्रिया अधिकतर औपचारिकता तक ही सीमित रही है। दूतावास ने एक्स पर बयान जारी किया, अधिकारियों को मौके पर भेजा और सहायता का भरोसा दिलाया, लेकिन इससे छात्रों के मन का डर कम नहीं हुआ। अब समय आ गया है कि कड़े और ठोस कदम उठाए जाएं। रूसी सरकार से स्पष्ट मांग होनी चाहिए कि सभी विदेशी छात्रावासों में 24ग7 सुरक्षा, अतिरिक्त पुलिस बल, आधुनिक निगरानी प्रणाली और मानसिक परामर्श केंद्र अनिवार्य किए जाएं। हमले की निष्पक्ष जांच और दोषियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए। भारत सरकार को भी मजबूत हेल्पलाइन, नियमित सुरक्षा समीक्षा और व्यापक जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने होंगे। केवल आश्वासन और बयान अब भरोसा पैदा नहीं कर सकते। यह दर्दनाक घटना भारतझरूस के शैक्षणिक संबंधों पर गहरे सवाल खड़े करती है। क्या छात्र केवल आंकड़े हैं, या उनकी सुरक्षा और सम्मान की भी कोई कीमत है? हर साल हजारों युवाओं का विदेश जाना तब तक उपलब्धि नहीं कहा जा सकता, जब वे डर और असुरक्षा में जीने को मजबूर हों। शिक्षा का उद्देश्य आत्मविश्वास और स्थिरता देना है, न कि भय और अकेलापन। आज रूस में पढ़ रहे हजारों भारतीय छात्र मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे हैं। वे लौटना चाहते हैं, लेकिन आर्थिक और शैक्षणिक मजबूरियां उन्हें रोक लेती हैं। यह स्थिति हमारी शिक्षा और विदेश नीति–दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। ऊफा की घटना हमें चेतावनी देती है कि विदेश में पढ़ाई अब सिर्फ अवसर नहीं, बल्कि बड़ा जोखिम बन चुकी है। सस्ती डिग्री के पीछे छिपा खतरा अब उजागर हो चुका है। सरकार, विश्वविद्यालय, एजेंट और अभिभावकों को मिलकर व्यवस्था बदलनी होगी। छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बननी चाहिए। यदि अब भी चुप्पी रही, तो अगली खबर किसी और घर का उजाला बुझा देगी। शिक्षा तभी सार्थक है, जब वह जीवन की रक्षा करे, सपनों को संवार दे और भविष्य को सुरक्षित बनाए। सुरक्षित शिक्षा ही सच्ची शिक्षा है–और यह हर छात्र का अधिकार है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

ग्वालियर में रेबीज का कहर: पांच दिन में तीन मौतें, तीन डोज के बाद भी मासूम नहीं बचा, स्वास्थ्य विभाग कटघरे में

ग्वालियर ■

ग्वालियर में महज पांच दिनों के भीतर एक मासूम सहित रेबीज से तीन लोगों की मौत ने हड़कंप मचा दिया है। सबसे चौंकाने वाला मामला एक छह वर्षीय बच्चे का है, जिसकी मौत एंटी-रेबीज वैक्सीन के तीन डोज लगने के बावजूद हुई। इस घटना के बाद वैक्सीन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। खुद स्वास्थ्य विभाग में भी इस मामले को लेकर अफरा-तफरी है और जांच के आदेश देने की बात कही जा रही है।

शहर में सड़कों पर स्वच्छंद घूम रहे आवारा कुत्तों से लोग पहले ही भयभीत हैं। प्रशासन और स्वास्थ्य तंत्र की लापरवाही व नाकामी अब जानलेवा साबित होने लगी है। इसका चौंकाने वाला खुलासा न्यू जयारोग्य चिकित्सालय में सामने आया है, जहां बीते पांच दिनों में रेबीज से तीन मरीजों की मौत हो चुकी है। इन मामलों में सबसे गंभीर और दुर्लभ घटना दतिया जिले से आए छह वर्षीय मासूम हंस प्रजापति की है। डॉग बाइट के बाद उसे समय पर एंटी-रेबीज वैक्सीन की तीन डोज लगाई गईं, इसके बावजूद उसमें रेबीज के लक्षण विकसित हो गए और अंततः उसकी मौत हो गई। यह मामला न सिर्फ चिकित्सा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है, बल्कि आवारा कुत्तों को लेकर प्रशासन के दावों की भी पोल खोलता है। मासूम हंस के पिता अशोक उर्फ कल्लू प्रजापति ने बताया कि जिस दिन उनके बेटे को आवारा कुत्ते ने काटा, उसी दिन डॉक्टर की सलाह पर इलाज शुरू करा दिया गया था। स्थानीय चिकित्सकों की निगरानी में बच्चे को 13 जनवरी को पहला, 16 जनवरी को दूसरा और 21 जनवरी को तीसरा एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाया गया। चौथा डोज 10 फरवरी को लगाया जाना था, लेकिन उससे पहले ही बीते शुक्रवार को बच्चे में रेबीज के लक्षण दिखाई देने लगे।

हवा और पानी से लगने लगा डर

बच्चा अचानक चौंकने लगा, उसे हवा और पानी से डर लगने लगा। परिजन उसे तत्काल कमलाराजा अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद शनिवार को उसे दतिया ले जाया गया, जहां शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात उसकी मौत हो गई। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब पीड़ित को डॉक्टरों द्वारा बताई गई तारीखों पर सभी इंजेक्शन लगाए गए, तो फिर रेबीज कैसे हुआ? अगर वैक्सीन सही थी, तो बीमारी कैसे फैल गई? डॉक्टर भी मान रहे हैं कि एंटी-रेबीज वैक्सीन के तीन डोज लगने के बाद रेबीज होना बेहद दुर्लभ माना जाता है।

क्या बोले डॉक्टर?

जयारोग्य चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. मनीष चतुर्वेदी ने स्वीकार किया कि बीते पांच दिनों में डॉग बाइट के शिकार तीन लोगों की मौत हुई है, जो बेहद चिंताजनक है। इनमें एक मरीज ग्वालियर और दूसरा टीकमगढ़ का निवासी था, लेकिन सबसे अधिक चिंता दतिया निवासी छह वर्षीय बच्चे की मौत को लेकर है। उन्होंने कहा कि यह रेयर टू रेयरेस्ट मामला है और इसकी बहुस्तरीय जांच कराई जाएगी, जिसमें इलाज की प्रक्रिया, देखरेख और वैक्सीन की गुणवत्ता की भी जांच शामिल होगी।

2 बड़े बांधों की डिजिटल निगरानी करेगा केंद्र, किया जाएगा निरीक्षण

भोपाल ■

भोपाल के बड़े तालाब (अपर लेक) और उससे जुड़े बांधों की निगरानी अब केंद्रीय स्तर पर की जाएगी। बीते दिन आधिकारिक तौर पर इन जलाशयों को नेशनल डैम सेफ्टी अथॉरिटी (एनडीएसए) की सूची में शामिल कर लिया गया है। अब इन बांधों की सुरक्षा और देखरेख का जिम्मा केंद्र के पास होगा। एनडीएसए के चेयरमैन अनिल जैन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय टीम ने नगर निगम के जल कार्य विभाग के अधिकारियों के साथ भदभदा और कलियासोत बांध का विस्तृत निरीक्षण किया था।

एनडीएसए केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की देखरेख में काम करता है। अब यह प्राधिकरण समय-समय पर बांधों का निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट करेगा और जरूरी दिशा-निर्देश जारी करेगा, जिनका पालन स्थानीय प्रशासन को अनिवार्य रूप से करना होगा। -उदित गर्ग, अधीक्षक यंत्री, जलकार्य

सक्रियता और सुरक्षा की हुई जांच

निरीक्षण के दौरान टीम ने भदभदा बांध की सक्रियता और सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए एक गेट को कुछ देर के लिए खोला। झील के जलस्तर पर कोई प्रभाव न पड़े, इसलिए गेट को कुछ ही मिनटों में बंद कर दिया। इसके बाद टीम ने कलियासोत बांध पर भी जांच की। इस प्रक्रिया के साथ ही बड़े तालाब और कलियासोत बांध को केंद्रीय सुरक्षा तंत्र के अधीन कर दिया है। यह पहली बार है जब एनडीएसए की टीम ने बड़े तालाब का निरीक्षण किया है। निरीक्षण से संबंधित डेटा और अवलोकन धर्मा (डीएचएआरएमए) पोर्टल पर अपलोड किए जा रहे हैं, जो बांध सुरक्षा निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है। यह निरीक्षण नेशनल डैम सेफ्टी एक्ट 2021 के कार्यान्वयन का एक हिस्सा है, जिसके तहत देशभर के बांधों को एक केंद्रीकृत निगरानी ढांचे के अंतर्गत लाया जा रहा है।

पेंच बफर क्षेत्र में करंट से बायसन की मौत, तीन आरोपी गिरफ्तार

सिवनी ■

पेंच टाइगर रिजर्व के रूखड़ बफर क्षेत्र से सटे मोहगांव में एक दुर्लभ वन्यप्राणी बायसन (नर गौर) की करंट लगने से मौत का मामला सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ है कि जंगली सुअर के शिकार के लिए जंगल में अवैध रूप से करंट फैलाया गया था। वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार दोपहर न्यायालय में पेश किया।

वन विभाग के अनुसार, रूखड़ वनपरिक्षेत्र के अंतर्गत लगभग पांच हेक्टेयर निजी भूमि में स्थित सागौन के जंगल में गश्त के दौरान रात के समय बायसन का शव मिला। मृत बायसन की उम्र करीब 13 से 14 वर्ष आंकी गई है। मौके की जांच में पुष्टि हुई कि उसकी मौत करंट की चपेट में आने से हुई।

11 केवी लाइन से फैलाया गया था करंट

जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 11 केवी विद्युत लाइन से अवैध रूप से तार जोड़कर जंगल में करंट फैलाया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए वन अमले ने पहले बिजली आपूर्ति बंद कराने का प्रयास किया, लेकिन आपूर्ति बंद नहीं होने पर किसी अन्य वन्यजीव या इंसान को नुकसान से बचाने के लिए करंट प्रवाहित तारों को हटाया गया।

घेराबंदी कर तीन आरोपी गिरफ्तार- इसके बाद वन विभाग ने घेराबंदी कर मोहगांव निवासी सुनील उइके, दशरथ यादव और कैलाश चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया। मौके से जीआई तार, खूटियां सहित अन्य अवैध विद्युत सामग्री जब्त की गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया। वन विभाग ने बताया कि मृत बायसन का पोस्टमार्टम कर नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया है। मामले में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एमपी में जारी रहेगा सर्दी का सितम

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक बार फिर सर्दी अपना जोर दिखाने लगी है। सूबे के कई हिस्से कड़ाके की ठंड पड़ रही है, जबकि पूर्वी इलाकों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। मौसम विभाग ने बताया कि, कटनी और शहडोल में पारा सबसे कम दर्ज हुआ। यहां न्यूनतम तापमान 5 और 6 डिग्री दर्ज हुआ। बता दें कि, बीती रात कटनी का करौंदी क्षेत्र प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 5 डिग्री दर्ज हुआ। जबकि, शहडोल के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री के करीब दर्ज हुआ। इसके अलावा, पचमढ़ी, उमरिया, खजुराहो, राजगढ़ और रीवा में पारा 8 से 9 डिग्री के बीच रिकॉर्ड किया गया। वहीं, भोपाल की बात करें तो फरवरी माह में रात का तापमान 8 डिग्री तक गिरा है, जो सामान्य से काफी कम है। दिन में धूप है, जिससे अधिकतम तापमान 25-28 डिग्री के बीच दर्ज हो रह रहा है, लेकिन शाम होते ठंड बढ़ रही है।

सेंधवा में महाराष्ट्र ब्राह्मण समाज द्वारा गजानन महाराज की भव्य-दिव्य पालकी यात्रा

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। महाराष्ट्र ब्राह्मण समाज, सेंधवा के तत्वावधान में संत शिरोमणि गजानन महाराज की भव्य पालकी यात्रा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन नगर की धार्मिक-सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा देने वाला सिद्ध हुआ।

पालकी यात्रा का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं आरती के साथ किया गया। नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई यह शोभायात्रा भजन-कीर्तन और ह्लगजानन महाराज की जयह्व के गगनभेदी जयघोषों से संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय बनाती रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने भाग लिया। पालकी के दर्शन हेतु श्रद्धालुओं के द्वारा जगह-जगह पुष्पवर्षा कर भक्तों ने संत गजानन महाराज के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। महाराष्ट्र ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य संत परंपरा का संरक्षण, सामाजिक एकता एवं आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। कार्यक्रम का संचालन मेघा एकडी ने किया कार्यक्रम में गजानन महाराज की पोथी का वाचन किया गया 108 मोदक का भोग लगाया गया प्रसाद वितरण किया गया महाप्रसाद का आयोजन समाज के अध्यक्ष वसंत उपासनी रितेश उपासनी योगेश उपासनी उनकी तरफ से महाप्रसादी का आयोजन किया गया समापन पर महाप्रसाद का वितरण किया गया। नगर के गणमान्य नागरिकों ने इस सफल आयोजन के लिए महाराष्ट्र ब्राह्मण समाज को बधाई दी और इसे सेंधवा के लिए गौरवपूर्ण एवं प्रेरणादायक आयोजन बताया। एडवोकेट मोरेश्वर देसाई एडवोकेट श्याम एकडी महासचिव संतोष वैद्य सचिव दीपक उज्जैनकर प्रकाश जोशी किरण गोरे पंकज गोरे समीर दापोरकर सुधीर दापोरकर श्याम जोशी किरण नाईक जितेंद्र उपासनी लोकेश काले मनोज जोधपुरकर मकरंद ओक दीपक सराफे अशोक भट्ट कल्पेश उपासनी भानु दास उपासनी रविंद्र पाठक भुषण दर्श संजू शुक्ला वसुंधरा उपासनी कीर्ति उपासनी नंदनी उपासनी सचिव संध्या उपासनी आभार अध्यक्ष सुप्रिया वैध ने किया कार्यक्रम में समाज के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

दूल्हा सहित दौड़ी और कुएं में कूद गई घोड़ी, खंडवा में बारात में मच गई खलबली

खंडवा ■

मध्यप्रदेश के खंडवा में गजब घटना घटी। यहां के एक गांव में बारात लगी। दूल्हे को सजीधजी घोड़ी पर बैठाकर बाराती ढोल-और डीजे की धुन पर नाचने लगे। इस तरह बारात धीरे धीरे आगे बढ़ रही थी कि दूल्हे की घोड़ी अचानक बेकाबू हो गई। वह दूल्हा सहित सरपट भाग उठी। घोड़ी के दौड़ते ही दूल्हा घबराया और तुंरत नीचे छलांग लगा दी। इधर घोड़ी सरपट भागते हुए एक कुएं में कूद गई। उसे बमुश्किल बाहर निकाला जा सका। घटना से बारात में खलबली मच गई। बताया जा रहा है कि बारात में तेज आवाज में डीजे बज रहा था। घोड़ी इतना शोरगुल सहन नहीं कर सकी और बिदक गई। डीजे के तेज शोर से कितनी गंभीर घटना घट सकती है, क्या अनहोनी हो सकती है- खंडवा के पंधाना के पास फतेहपुर में इसकी एक बानगी सामने आई है। बेहद तेज आवाज में धड़कते डीजे के कारण बारात की घोड़ी बिदक गई और पास के कुएं में कूद पड़ी। गनीमत रही कि दूल्हे ने समय रहते घोड़ी से नीचे छलांग लगाकर अपनी जान बचा ली। फतेहपुर में आवल्या विट्ठल गांव से बारात आई थी। दूल्हा घोड़ी पर बैठा था और बाराती ढोल व डीजे की तेज आवाज पर नाचते हुए आगे बढ़ते जा रहे थे।

साधु के भेष में ठगी का खेल: शिवपुरी-कोलारस में महिलाओं से नगदी व मंगलसूत्र ले उड़े ठग, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

शिवपुरी ■

शिवपुरी जिले में इन दिनों साधु के वेश में सक्रिय ठगों का एक गिरोह महिलाओं को निशाना बना रहा है। दान मांगने और भविष्य बताने के बहाने यह गिरोह लोगों को बातों में उलझाकर नगदी और गहनों की ठगी कर रहा है। इसी कड़ी में शिवपुरी शहर और कोलारस क्षेत्र में दो अलग-अलग ठगी की वारदातें सामने आई हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पहली घटना शिवपुरी शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित वर्मा कॉलोनी की है। यहां प्रधान आरक्षक प्रताप नारायण शर्मा के घर साधु के वेश में एक ठग पहुंचा और उनकी पत्नी से दान के रूप में आटे की मांग की। महिला ने आटा दे दिया। इसके बाद जब वह दक्षिणा देने लगी तो कथित साधु ने लेने से इंकार कर दिया। इसी दौरान उसने महिला को उसके घर-परिवार और घरेलू समस्याओं से जुड़ी बातें बतानी शुरू कीं और समाधान का झांसा देकर 7,500 रुपये नगद ले लिए। ठग के जाने के बाद महिला को ठगी का अहसास हुआ। पति के घर लौटने पर पूरे मामले की जानकारी दी गई, जिसके बाद कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

21 कदम चलने का झांसा देकर मंगलसूत्र ले उड़े ठग

दूसरी घटना कोलारस थाना क्षेत्र में एसडीओपी कार्यालय के पास की है। कोलारस निवासी 50 वर्षीय उमा पत्नी पूरन परमार मंदिर दर्शन कर घर लौट रही थीं। तभी एक व्यक्ति ने खुद को अयोध्या से आया साधु बताते हुए बातचीत शुरू की। कुछ देर बाद एक अन्य युवक वहां पहुंचा, जिसने खुद को पुलिसकर्मी बताया। दोनों ने मिलकर महिला को विश्वास में लिया और उसकी व्यक्तिगत बातें बताने लगे। इसके बाद कथित साधु ने महिला से मंगलसूत्र उतारकर हाथ में रखने को कहा, यह कहते हुए कि विद्या तभी काम करेगी। मंगलसूत्र दूसरे ठग के हाथ में दिलवाकर महिला से कहा गया कि 21 कदम आगे चलो और पीछे मत देखो, हनुमान जी के दर्शन होंगे। जब महिला ने पीछे मुड़कर देखा तो दोनों ठग बाइक से गुना की ओर फरार हो चुके थे। दोनों घटनाओं के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है।

आधी रात मिठाई की दुकान पर पहुंचे बाबा बागेश्वर

छतरपुर ■

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर और देश के चर्चित कथावाचक पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह न कोई धार्मिक प्रवचन है, न राजनीतिक बयान, बल्कि उनकी सादगी और सहज व्यवहार। घटना शनिवार-रविवार की दरमियानी रात की है, जब बाबा बागेश्वर अचानक छतरपुर शहर के छत्रसाल चौराहे स्थित एक मिठाई की दुकान पर पहुंच गए। उस समय दुकानदार अशोक अग्रवाल दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। बाबा को अचानक सामने देखकर वे हैरान रह गए।

बाबा ने गाड़ी रुकवाई और बिना किसी औपचारिकता के सीधे दुकान के भीतर पहुंचे। वे सेठ की गद्दी पर बैठ गए और पहले छेना के रसगुल्ले, फिर रसमलाई का स्वाद लिया। इस दौरान दुकानदार ने तिलक कर माला पहनाई और बाबा से आशीर्वाद लिया। बाबा ने दुकानदार के बेटे को गले लगाकर आशीर्वाद दिया और माहौल को और सहज बनाते हुए गद्दी पर बैठकर मजाकिया अंदाज में मिठाई बेचने की आवाज लगाने लगे 'बर्फी ले लो... पेड़ा ले लो... लड्डू ले लो...अपने-अपने भाव से। यह दृश्य देखकर दुकान पर मौजूद लोग भावुक हो गए।

बोफोर्स से ट्रेड डील तक का सफर और बदलते भारत में कांग्रेस की ठहरी हुई सोच

संसद के उच्च सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक घंटे अड़तीस मिनट का भाषण केवल एक राजनीतिक जवाब नहीं था, बल्कि वह पिछले सात दशकों की राजनीतिक संस्कृति और बीते ग्यारह वर्षों में बदले भारत के आत्मविश्वास का आईना था। विपक्ष के शोर, नारेबाजी और वॉकआउट के बीच दिया गया यह उद्बोधन इस सवाल को फिर से केंद्र में ले आया कि देश आज किस दिशा में खड़ा है और कौन-सी सोच उसे आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री का बोफोर्स डील से ट्रेड डील तक का कथन दरअसल एक पूरे युगांतरण का प्रतीक है, जिसमें भारत ने घोटालों, नीतिगत जड़ता और वैश्विक अविश्वास के दौर से निकलकर आत्मनिर्भरता, वैश्विक साझेदारी और आर्थिक महत्वाकांक्षा की राह पकड़ी है।

कांतिलाल मांडोत
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

कांग्रेस की राजनीति लंबे समय से सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानती रही है। आजादी के बाद दशकों तक केंद्र और अनेक राज्यों में शासन करने के बावजूद कांग्रेस देश को वह निर्णायक नेतृत्व नहीं दे पाई, जिसकी जरूरत थी। बोफोर्स घोटाला केवल एक रक्षा सौदे का मामला नहीं था, बल्कि वह उस मानसिकता का प्रतीक था जिसमें सत्ता, परिवार और हितों की गठजोड़ ने राष्ट्रीय हितों को पीछे छोड़ दिया। उसी दौर में भारत वैश्विक मंच पर एक ऐसा देश था, जिससे समझौते करने में दुनिया हिचकती थी और जिसकी अर्थव्यवस्था सहायता और कर्ज. पर टिकी मानी जाती थी। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में ठीक ही कहा कि कांग्रेस, टीएमसी या डीएमके जैसी पार्टियां दशकों तक सत्ता में रहीं, फिर भी देश उन्हें किस उपलब्धि से याद करता है, यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। इसके उलट, बीते ग्यारह वर्षों में भारत की तस्वीर बदली है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ चुका है, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उसकी भूमिका मजबूत हुई है और बड़े-बड़े देश भारत के साथ व्यापार समझौतों के लिए उत्सुक हैं। यूरोपीय यूनियन से लेकर अमेरिका तक के साथ हो रही ट्रेड डील्स इस बदले हुए भरोसे का प्रमाण हैं। कांग्रेस की समस्या केवल नीतियों तक सीमित नहीं है, उसकी भाषा और संस्कार भी सवालों के घेरे में हैं। मोदी तेरी कब्र खुदेगी जैसे नारे न केवल राजनीतिक असहमति की मयार्दा को तोड़ते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी अपमान करते हैं। प्रधानमंत्री ने सही पूछा कि यह कैसी मोहब्बत की दुकान है, जिसमें किसी निर्वाचित प्रधानमंत्री की कब्र खोदने की बात की जाती है। यह भाषा बताती है कि कांग्रेस आज भी नकारात्मकता और व्यक्तिगत द्वेष की राजनीति में उलझी हुई है, जबकि देश सकारात्मक एजेंडे और भविष्य की बात करना चाहता है। कांग्रेस के ह्ययुवराजह्व द्वारा एक सिख सांसद को गद्दार कहने का उल्लेख भी इसी मानसिकता की ओर इशारा करता है। यह केवल एक व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं, बल्कि पूरे सिख समुदाय और उनके गुरुओं का अपमान है। जिस पार्टी ने लंबे समय तक खुद को समावेशिता और सेक्युलरिज्म का ठेकेदार बताया, वही आज पहचान की राजनीति और विभाजनकारी बयानबाजी में फंसी दिखती है। प्रधानमंत्री का यह कहना कि यह सिखों और गुरुओं का अपमान है, केवल राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी भी है। विकसित भारत की कल्पना करने वाली सरकार और कांग्रेस की सोच में मूलभूत अंतर है। मोदी सरकार मानती है कि 140 करोड़ भारतीय समस्याएं नहीं, बल्कि संभावनाएं हैं। इसके विपरीत, नेहरू-इंदिरा काल की वह सोच थी जिसमें जनसंख्या को समस्या के रूप में देखा जाता था। यह दृष्टिकोण ही नीति निर्माण को दिशा देता है। जब नेतृत्व जनता पर भरोसा करता है, तो परिणाम जनभागीदारी, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे के तेज विकास के रूप में सामने आते हैं। अनुच्छेद 370 का हटाया जाना भी इसी निर्णायक नेतृत्व का उदाहरण है। दशकों तक जिसे असंभव बताया गया, उसे राजनीतिक इच्छाशक्ति ने संभव कर दिखाया। यह केवल एक संवैधानिक कदम नहीं था, बल्कि यह संदेश था कि भारत अब साहसिक फैसलों से नहीं हिचकता। कांग्रेस इसे आज भी अपने पुराने चश्मे से देखती है, क्योंकि वह बदलाव की राजनीति को स्वीकार नहीं कर पाई है। ट्रेड डील के संदर्भ में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत-अमेरिका संबंध एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं। आयात शुल्क में कटौती, संयुक्त बयान और संभावित हस्ताक्षर केवल आर्थिक आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह उस भरोसे का संकेत हैं जो दुनिया आज भारत पर कर रही है। कभी जिस भारत को समझौतों की मेज पर जगह पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था, आज वही भारत शर्तें तय करने की स्थिति में है। कांग्रेस की विडंबना यह है कि वह इस बदलाव को स्वीकार करने के बजाय उसे नकारने में ऊर्जा खर्च कर रही है। प्रधानमंत्री की कुर्सी को अपनी जागीर मानने वाली मानसिकता आज भी उसे परेशान करती है। उसे यह सवाल कचोटता है कि एक साधारण पृष्ठभूमि से आया व्यक्ति देश का नेतृत्व कैसे कर सकता है। यही असहजता उसकी बयानबाजी में झलकती है, चाहे वह कब्र जैसे शब्द हों या व्यक्तिगत आरोप। आज का भारत भावनाओं से नहीं, तथ्यों और परिणामों से बात करता है। ग्यारह वर्षों में सड़कों, रेल, डिजिटल भुगतान, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष और कूटनीति में जो बदलाव आए हैं, वे किसी प्रचार का नहीं, बल्कि नीतिगत निरंतरता और कर्मनिष्ठा का परिणाम हैं। प्रधानमंत्री मोदी का विश्वसत्ता की ओर भारत को ले जाने का लक्ष्य केवल सपना नहीं, बल्कि स्पष्ट रोडमैप पर आधारित है। अंततः यह बहस केवल मोदी बनाम कांग्रेस की नहीं है, बल्कि पुरानी और नई सोच की है। एक ओर वह राजनीति है जो अतीत के घोटालों, परिवारवाद और नकारात्मक नारों से बाहर नहीं निकल पा रही, और दूसरी ओर वह नेतृत्व है जो आत्मविश्वास, सत्यनिष्ठा और परिश्रम के बल पर भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहता है। बोफोर्स से ट्रेड डील तक का यह सफर बताता है कि देश ने रास्ता चुन लिया है। अब सवाल यह है कि कांग्रेस कब अपने भीतर झांककर यह समझेगी कि भारत बदल चुका है, और राजनीति को भी बदलना होगा।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

दिल्ली बन गया लापतागंज

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं से बलात्कार करने वाले 292 और नाबालिग लड़कियों से बलात्कार करने वाले 283 अपराधी फरार हैं यानी कुल 575 बलात्कारी आज भी खुले सांड की तरह घूम रहे हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा लोग अलास्का में लापता होते हैं, वहां प्रति एक लाख आबादी पर सालाना 164 लोग गायब होते हैं। सबसे कम लोग अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य में लापता होते हैं, वहां प्रति एक लाख आबादी पर महज 2 लोग गायब होते हैं।

दिल्ली पुलिस का डाटा डरावना है। 1 जनवरी, 2026 से 15 जनवरी, 2026 के बीच राजधानी से 807 लोग यानी रोज के 53 लोग लापता हुए। इनमें 509 महिलाएं-लड़कियां और 298 पुरुष-लड़के शामिल हैं। कुल लापता लोगों में 191 नाबालिग और 616 वयस्क थे। पुलिस रिकार्ड के मुताबिक 31 जनवरी तक 235 लोगों को ढूंढ लिया गया है, जबकि 572 अब भी लापता हैं। फिर भी दिल्ली पुलिस कहती है कि पिछले साल की तुलना में इस बार आंकड़े कम हैं। सच यह है कि दिल्ली पुलिस और भाजपा सरकार, दोनों के लिए ये आंकड़े बेहद शर्मनाक हैं। दिल्ली में गुम होते बच्चों को लेकर उठे हंगामे के जवाब में भाजपा के कुछ नेताओं ने बेहूदा सफाई देते हुए कहा कि यह तो किसी हिंदी फिल्म के प्रमोशन के लिए गुमशुदा लोगों का प्रचार किया जा रहा है। उधर आम आदमी पार्टी ने कहा है कि भाजपा सरकार ने दिल्ली को लापतागंज बना दिया है। जिस परिवार का बच्चा या बेटी गुम हो जाए, उसकी पीड़ा समझने के बजाय भाजपा नेता दिल्ली सरकार को बचाने के लिए जनता को गुमराह कर रहे हैं। जिस फिल्म की बात की जा रही है, वह रानी मुखर्जी अभिनीत ह्यमर्दानी-3ह्ण है, जिसमें गुमशुदा बच्चों और युवतियों की कहानी दिखाई गई है। फि ल्म में पुलिस अफसर बनी रानी मुखर्जी की हिम्मत पर दर्शक तालियां बजाते हैं। उससे कहीं ज्यादा हिम्मत असली पुलिस वाले अपहरणकताओं को पकड़ते वक्त दिखाते हैं, वे कई खूंखार गुंडों को कालर पकड़कर थाने लाते हैं और गुम हुए बच्चों का सुराग जुटाते हैं। मगर इन पुलिस अफसरों के लिए कोई तालियां नहीं बजाता। अगर पुलिस तंत्र का डर न हो, तो अपहृत लोगों की संख्या दोगुनी हो सकती है। यह भी सच है कि हर लापता व्यक्ति का अपहरण नहीं होता। कुछ लोग घरेलू कलह या मानसिक बीमारी के कारण घर छोड़ देते हैं। मध्यप्रदेश में अकेली घूमती लड़कियां अक्सर अपहरणकताओं का शिकार बन जाती हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लिखित जवाब में बताया कि 30 जून, 2025 तक 21,175 महिलाएं और 1,954 नाबालिग लड़कियां एक साल से लापता हैं। गुम हुई लड़कियों और महिलाओं में से कुछ लव जिहाद का शिकार होती हैं, कुछ को जबरन देह व्यापार में धकेल दिया जाता है। कुछ युवतियां अभिनेत्री बनने का सपना लेकर घर से भागकर मुंबई पहुंचने की कोशिश करती हैं। कोई गुस्से में घर छोड़ देती है और आखिरकार जब गुस्सा उतरता है या कड़वे अनुभव होते हैं, तो घर लौट आती है। परिवार की बेटी के गुम हो जाने पर परिजनों पर जैसे आसमान टूट पड़ता है। पुलिस थानों के रोज-रोज के चक्कर शुरू हो जाते हैं। शहरों और कस्बों में सड़कों पर सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद अपराधी पकड़े नहीं जाते, कई कैमरे बंद पड़े होते हैं, जिससे अहम फुटेज नहीं मिल पाता। कई परिजन पुलिस पर भरोसा किए बिना खुद खोजबीन में जुट जाते हैं। कोई ओझाओं और ज्योतिषियों के दरवाजे भी खटखटाता है। कुछ दिन, महीने या साल बाद जब कोई महिला या युवती अपने घर लौटती है, तो समाज उसे शक की नजर से देखता है और उसका जीना दुश्वार कर देता है। यह भी एक कड़वी सच्चाई है।

सऊदी ने अमेरिका से दोगुने भारतीयों को डिपोर्ट किया

स्नेहा सिंह | लेखक

ग्लोबल हेराल्ड

वाह-वाही की ढोल पीटते विदेश मंत्री का कुछ भी हासिल नहीं हुआ, सऊदी ने पिछले वर्ष 13,000 भारतीयों को डिपोर्ट किया सऊदी अरब द्वारा पिछले वर्ष 13,256 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था। इनमें रियाद से 4,335 भारतीयों को और जेद्दाह से 8,921 भारतीयों को डिपोर्ट करने की कार्रवाई की गई थी। यूएई द्वारा अबूधाबी से 1,662 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था। इसके अलावा दुबई से 7,896 भारतीयों को वापस भेजा गया था। वहीं अमेरिका द्वारा वर्ष 2025 में 3,800 अवैध भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था। पिछले दिसंबर में वॉशिंगटन द्वारा अवैध रूप से रह रहे 3,414 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था, जिनका भी उपरोक्त आंकड़ों में समावेश था। इनमें ह्यूस्टन से 234, सैन फ्रांसिस्को से 49, न्यूयार्क से 47, अटलांटा से 31 और सिएटल से 31 भारतीयों को वापस भेजा गया था। पिछले वर्ष अमेरिका में 1,993 भारतीयों की गिरफ्तारी भी की गई थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस तरह पकड़े गए लगभग 2,000 लोगों में से 1,669 लोगों के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं था। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता संभालने के समय उन्होंने कहा था कि जल्द ही अवैध प्रवासियों पर सख्ती की जाएगी और उनके खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने इस बात को सार्थक करते हुए पिछले वर्ष कई भारतीयों को डिपोर्ट किया। हालांकि अमेरिका द्वारा वापस भेजे गए भारतीयों की संख्या बहुत कम है।

दुनिया में ऐसे छोटे-छोटे देश हैं, जहां से बड़ी संख्या में भारतीयों को बाहर निकाला गया है और डिपोर्ट किया गया है। अमेरिका द्वारा भारतीयों को हथकड़ी पहनाकर, जंजीरों में बांधकर, मानो वे आतंकवादी हों, इस तरह डिपोर्ट किया गया था, जिसके कारण पूरी दुनिया में हंगामा मच गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि खुद को विश्वगुरु कहने वाला विदेश मंत्रालय इस मामले में पूरी तरह निष्क्रिय रहा। ट्रम्प और अमेरिका द्वारा खुलेआम भारतीयों का अपमान किए जाने के बावजूद विदेश मंत्रालय की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। एक और चौंकाने वाली तथा चिंताजनक बात यह है कि हाल ही में सरकार ने स्वयं स्वीकार किया है कि पिछले वर्ष हजारों की संख्या में भारतीयों को विभिन्न देशों द्वारा डिपोर्ट किया गया था। इनमें अमेरिका का आंकड़ा छोटा है। अमेरिका से जितने भारतीयों को डिपोर्ट किया गया, उससे दोगुनी संख्या में सऊदी अरब ने भारतीयों को बाहर निकाला है। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में राज्यसभा में इस संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। इसमें बताया गया था कि अमेरिका द्वारा वर्ष 2025 में 3,800 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में सरकार ने कहा कि अमेरिका से लगभग चार हजार भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था। इसके साथ ही सरकार ने यह भी बताया कि सऊदी अरब और यूएई से डिपोर्ट किए गए भारतीयों की संख्या अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों से कहीं अधिक है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सवाल किया था कि पिछले पांच वर्षों में अमेरिका तथा अन्य देशों द्वारा कितने भारतीयों को डिपोर्ट किया गया है। भारत सरकार द्वारा अवैध रास्तों से भारतीयों के विदेश जाने को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

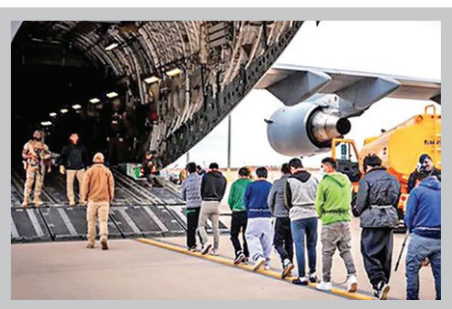

खासतौर पर उत्तरी अमेरिका में घुसपैठ के लिए डंकी रूट का उपयोग करने वाले कितने भारतीयों को रोका गया है या इस रूट को आपरेट करने वाले एजेंटों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। अवैध इमिग्रेशन को लेकर भारत सरकार ने क्या कदम उठाए हैं। विदेश मामलों के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने जवाब देते हुए बताया कि अमेरिका द्वारा वर्ष 2025 में 3,800 अवैध भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। पिछले दिसंबर में वाशिंग्टन द्वारा अवैध रूप से रह रहे 3,414 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था, जिन्हें भी इसी आंकड़े में शामिल किया गया है। इनमें ह्यूस्टन से 234, सैन फ्रांसिस्को से 49, न्यूयार्क से 47, अटलांटा से 31 और सिएटल से 31 भारतीयों को वापस भेजा गया था। इसके अलावा अन्य राज्यों और शहरों से भी छिटपुट तौर पर लोगों को ढूंढकर भारत भेजा गया। उल्लेखनीय है कि 2025 में अमेरिका द्वारा भारतीयों को डिपोर्ट करने का यह आंकड़ा छोटा है। पिछले वर्ष सऊदी अरब और यूएई द्वारा सबसे अधिक भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था। इनमें भी सऊदी अरब सबसे आगे रहा। सऊदी अरब द्वारा पिछले वर्ष 13,256 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। रियाद से 4,335 भारतीयों को और जेद्दाह स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से 8,921 भारतीयों को वापस भेजा गया। वहीं यूएई द्वारा अबूधाबी से 1,662 और दुबई से 7,896 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। इसके अलावा मलेशिया, म्यांमार और पड़ोसी देश चीन द्वारा भी कई भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, भारत सरकार का विदेश मंत्रालय अमेरिका सहित सभी देशों के साथ भारतीयों के डिपोर्टेशन के मुद्दे पर बातचीत कर रहा है। खासतौर पर अमेरिका द्वारा जिस तरह से भारतीयों को वापस भेजा गया, उस पर चर्चा की जा रही है। वास्तविकता यह है कि अमेरिका ने खुलेआम भारतीयों का अपमान करते हुए उन्हें डिपोर्ट किया था। उस समय न तो विदेश मंत्री, न ही विदेश मंत्रालय और न ही वहां स्थित भारतीय दूतावास ने कोई ठोस कदम उठाया या आपत्ति दर्ज कराई। अमेरिका ने बच्चों और महिलाओं को भी जंजीरों में बांधकर डिपोर्ट किया और फिर भी बयानबाजी करने वाले विदेश मंत्रालय की ओर से कुछ नहीं हुआ। एक और चिंताजनक आंकड़ा यह है कि अमेरिका में भारतीयों की गिरफ्तारी भी बड़े पैमाने पर की जा रही है। पिछले वर्ष 1,993 भारतीयों को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) द्वारा गिरफ्तार किया गया। इनमें से लगभग 2,000 लोगों में से 1,669 के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं था। जांच करने पर सामने आता है कि कैलिफोर्निया में सबसे अधिक 643 भारतीयों की गिरफ्तारी हुई, इसके बाद टेक्सास में 237 और न्यूयॉर्क में 115 भारतीयों को पकड़ा गया। यानी कुल गिरफ्तारियों का आधा हिस्सा इन्हीं तीन राज्यों में हुआ। इसके अलावा नवंबर में 3,258 भारतीयों को हिरासत में लिया गया था, जो नवंबर, 2024 की तुलना में लगभग 1,400 अधिक था। जानकारों के अनुसार मार्च, 2025 में आईसीई द्वारा हजारों विदेशी छात्रों के वीजा रद्द और टर्मिनेट किए गए थे। दूसरी ओर कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि देश में अवैध रूप से काम कर रहे एजेंटों की तलाश तेज कर दी गई है। सरकार द्वारा शुरू किए गए ईमाइग्रेट पोर्टल के माध्यम से विदेश भेजने वाली एजेंसियों और संस्थाओं की जांच की जा रही है। दिसंबर तक 3,505 ऐसे एजेंटों की पहचान की गई है, जिनकी न तो पंजीकरण है और न ही लाइसेंस। सरकार इनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। भविष्य में यदि इनके माध्यम से भेजे गए भारतीय डिपोर्ट होते हैं, तो अवैध नेटवर्क के और भी तथ्य सामने आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका द्वारा अन्य देशों के लोगों को भी बड़ी संख्या में डिपोर्ट किया गया है। जनवरी, 2026 के आंकड़ों के अनुसार, आईसीई द्वारा हर महीने 920 वेनेजुएला, 560 निकारागुआ, 130 तुर्की, 840 कोलंबिया, 2,600 होंडुरास और 3,100 ग्वाटेमाला के नागरिकों को डिपोर्ट किया गया। पिछले वर्ष जून में 122 चीनी नागरिकों को भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में पकड़ा गया और डिपोर्ट किया गया था। सरकार ने भारतीयों को विदेश से बचाकर वापस लाने के बारे में भी जानकारी दी। फर्जी कंपनियों द्वारा झूठे वादों और लालच के जरिए भारतीयों को कंबोडिया, म्यांमार, लाओ पीडीआर और दक्षिण-पूर्व एशिया के अन्य देशों में ले जाकर बंधक बना लिया गया था और उनसे साइबर अपराध तथा धोखाधड़ी कराई जा रही थी। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में कंबोडिया से 1,300, लाओ पीडीआर से 1,421 और म्यांमार से 1,594 भारतीयों को बचाकर स्वदेश लाया गया। इसके अलावा अन्य देशों और खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों को भी वापस लाने के प्रयास जारी हैं। अवैध तरीके से विदेश भेजने वाले एजेंटों, मानव तस्करी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इमिग्रेशन एक्ट 1983 के तहत बिना लाइसेंस काम करने वाली सभी एजेंसियों और संस्थाओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने की शुरूआत कर दी गई है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

मेलों में मौत के झूलेः खुशी के टिकट पर बिकती जिंदगी

हरियाणा के सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय मेले में झूला टूटने की घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हमारे यहाँ मनोरंजन भी जान जोखिम में डालकर ही किया जाता है। जिस मेले को संस्कृति, कला और पर्यटन का उत्सव कहा जाता है, वही मेला एक पल में चीखों, अफरातफरी और मातम में बदल गया। झूले के अचानक टूटकर गिरने से एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई और तेरह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यह सिर्फ.एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का परिणाम है जहाँ सुरक्षा सबसे आखिरी प्राथमिकता बन चुकी है।

मेलों में झूले हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहे हैं। बच्चों की हँसी, युवाओं का उत्साह और परिवारों की उम्मीदें–सब कुछ इन झूलों से जुड़ा होता है। लेकिन जब यही झूले मौत का कारण बन जाएँ, तो सवाल केवल तकनीकी खराबी का नहीं रहता, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढाँचे की लापरवाही उजागर हो जाती है। सूरजकुंड हादसा अचानक नहीं हुआ। यह उस लापरवाही की परिणति है, जिसे सालों से ह्लचलने दोह्ल कहकर नजरअंदाज किया जाता रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसे झूलों की अनुमति कैसे दी जाती है? क्या इनके फिटनेस सर्टिफिकेट की कोई गंभीर जाँच होती है या फिर कुछ कागजों और हस्ताक्षरों से ही सब कुछ ह्लमैनेजह्ल कर दिया जाता है? हर बड़े मेले से पहले प्रशासन सुरक्षा के दावे करता है–ड्यूटी पर पुलिस, एंबुलेंस, दमकल वाहन–लेकिन झूलों की तकनीकी जाँच अक्सर औपचारिकता भर बनकर रह जाती है। जिस मशीन पर दर्जनों ज़िंदगियाँ झूल रही हों, उसकी गुणवत्ता, मेंटेनेंस और ऑपरेटर की ट्रेनिंग पर कोई सख़्त निगरानी क्यों नहीं होती? यह पहली बार नहीं है जब किसी मेले या मनोरंजन पार्क में झूला गिरने से मौतें हुई हों। देश के अलग-अलग राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं–कहीं बच्चों की जान गई, कहीं महिलाएँ घायल हुईं, कहीं पूरा परिवार उजड़ गया। हर बार वही कहानी दोहराई जाती है–जाँच के आदेश, मुआवजे की घोषणा और कुछ दिनों का शोर। फिर सब कुछ भुला दिया जाता है, अगली दुर्घटना तक। सूरजकुंड हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत होना इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। जो व्यक्ति जनता की सुरक्षा के लिए तैनात था, वही स्वयं व्यवस्था की लापरवाही का शिकार हो गया। यह घटना प्रतीक है उस विडंबना की, जहाँ सुरक्षा देने वाला भी सुरक्षित नहीं है। सवाल यह है कि अगर एक अधिकारी की जान यूँ ही चली गई, तो आम नागरिक की सुरक्षा की क्या गारंटी है? प्रशासन अक्सर ठेकेदारों पर दोष मढ़कर पल्ला झाड़ लेता है। कहा जाता है कि झूला निजी संचालक का था, मेंटेनेंस उसकी ज़िम्मेदारी थी। लेकिन क्या प्रशासन की ज़िम्मेदारी यहीं खत्म हो जाती है? क्या बिना कड़ी जाँच के किसी भी ठेकेदार को मौत के झूले लगाने की खुली छूट दी जा सकती है? अगर हाँ, तो फिर हादसे के बाद सिर्फ.ठेकेदार को दोषी ठहराना एक तरह का धोखा ही है। असल में यह समस्या सिस्टम की है। मेले अस्थायी होते हैं, लेकिन लापरवाही स्थायी। सुरक्षा मानकों को ह्लअतिरिक्त खर्चह्ल समझा जाता है और मुनाफे को सबसे ऊपर रखा जाता है। झूले पुराने होते हैं, कई बार दूसरे राज्यों से लाकर बिना समुचित जाँच के लगा दिए जाते हैं। ऑपरेटर अक्सर अप्रशिक्षित होते हैं, जिन्हें न मशीन की तकनीक की समझ होती है और न आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग। दुखद यह भी है कि हादसे के बाद प्रशासन की संवेदनशीलता केवल मुआवजे की घोषणा तक सीमित रह जाती है। मृतक के परिवार को कुछ लाख रुपये देकर समझ लिया जाता है कि जिम्मेदारी पूरी हो गई। लेकिन क्या किसी की जान की कीमत कुछ लाख रुपये हो सकती है? क्या मुआवजा उस दर्द, उस खालीपन और उस अन्याय की भरपाई कर सकता है? सवाल यह भी है कि क्या हमारे यहाँ मनोरंजन का मतलब ही जोखिम बन गया है? क्या मेले, झूले और उत्सव आम आदमी के लिए ह्लक आजमानेह्ल की जगह बन चुके हैं–जहाँ ज़िंदा लौटना भी किस्मत पर निर्भर हो? यह सोच किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है। सूरजकुंड मेला अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है। देश-विदेश से लोग यहाँ आते हैं। अगर ऐसे प्रतिष्ठित आयोजन में सुरक्षा का यह हाल है, तो छोटे कस्बों और गाँवों के मेलों की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। वहाँ न जाँच होती है, न एंबुलेंस समय पर पहुँचती है और न ही किसी की जवाबदेही तय होती है। अब जरूरत है केवल संवेदना जताने की नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की। हर मेले और मनोरंजन आयोजन के लिए सख़्त सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। झूलों की तकनीकी जाँच स्वतंत्र विशेषज्ञों से कराई जाए, न कि औपचारिक समितियों से। ऑपरेटरों की ट्रेनिंग अनिवार्य हो और जरा-सी लापरवाही पर लाइसेंस रद्द किया जाए। सबसे अहम बात–हादसे की स्थिति में सिर्फ.मुआवजा नहीं, बल्कि आपराधिक ज़िम्मेदारी भी तय की जाए। आज सूरजकुंड में झूला गिरा है। कल यह किसी और मेले में गिरेगा, अगर हमने अभी भी आँखें मूँदे रखीं। सवाल यह नहीं है कि अगला हादसा कहाँ होगा, सवाल यह है कि क्या हम हर बार मौत के बाद ही जागेंगे? मेलों का मकसद खुशी बाँटना होता है, मौत नहीं। लेकिन जब खुशी के टिकट पर ज़िंदगी बिकने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि यह सिर्फ. हादसा नहीं, एक अपराध है–और उस अपराध की ज़िम्मेदारी तय करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

-डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

समय का चक्र...

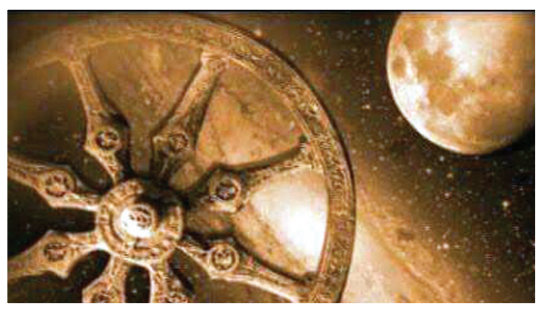

जब तुम्हें लगता है कि समय बहुत कम है, तुम या तो बेचैन होते हो या अत्यन्त सजगता की अवस्था में होते हो। दुखी या उत्सुक होने पर तुम्हें समय बहुत लम्बा लगता है। जब तुम प्रसन्न हो और जो कुछ कर रहे हो, उसमें आनंद आ रहा है, तब तुम्हें समय का आभास नहीं होता। इसी प्रकार, नींद में भी तुम्हें समय का आभास नहीं होता। जब तुम समय से आगे हो, समय कटता ही नहीं और नीरसता अनुभव होती है। जब समय तुम्हारे आगे है, तब तुम आश्चर्यचकित और स्तब्ध होते हो। तुम घटनाओं को आत्मसात नहीं कर पाते। गहन ध्यान में तुम ही समय हो और सब कुछ तुम्हारे ही अहदर घटित हो रहा है। घटनाएं तुममें ऐसे घट रही हैं, जैसे आसमान में बादल गुजरते हैं।

जब तुम समय के साथ होते हो, तुम ज्ञानी हो, तुम्हारा मन शांत है। जब मन प्रसन्न होता है, तब यह विस्तृत होता है, तब समय भी बहुत छोटा लगता है। जब मन दुखी होता है, संकुचित होता है, तब समय बहुत लंबा प्रतीत होता है। जब मन समचित्त है, स्थिर है, तब यह काल के परे है। इन दोनों स्थितियों से बचने के लिए कई व्यक्ति शराब या निद्रा का सहारा लेते हैं, परंतु जब मन जड़ या बेसुध होता है, तब यह अपनी ही अनुभूति नहीं कर सकता। समाधि ही असल शांति है, जो मन और समय के परे है। जैसे मन समय को अनुभव करता है, वैसे इस क्षण का भी अपना एक मन है। एक विराट मन, जिसमें व्यवस्था करने की अपरिमित और असीम योग्यता है। एक विचार और कुछ नहीं, समय के इस क्षण में एक तरंग है और समाधि के कुछ ही पल मन को ऊर्जा से भर देते हैं। निद्रावस्था के पहले और जिस पल तुम नींद से जगाते हो, सचेतनता के उन धूमिल क्षणों में, समय के परे जाने का अनुभव करो। जीवन साकार व निराकार का मिश्रणहै। भावनाओं का कोई आकार नहीं परंतु उनकी अभिव्यक्ति साकार होती है। आत्मा का कोई रूप नहीं परंतु उसका निवास साकार में है। इसी तरह, ज्ञान और कृपा का भी कोई रूप नहीं, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति किसी रूप द्वारा ही होती है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुए । सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर आये साझा बयान से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक बढ़कर 84,065.75 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 173.60 अंक उछलकर 25,867.30 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पीएसयू बैंक, रियल्टी, इंडिया डिफेंस, मेटल, फार्मा और हेल्थकेयर के साथ करीब सभी शेयर लाभ के साथ ही उछलकर बंद हुए। सेंसेक्स पैक के शेयरों में एसबीआई, टाइटन, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, इंडिगो, एमएंडएम, एलएंडटी, अदाणी पोर्ट्स और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड, आईटीसी, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और मारुति के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर आये बयान से भी बाजार में उत्साह का माहौल है जिससे भी घरेलू बाजार उछला। भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ के 50 प्रतिशत से कम होकर 18 फीसदी होने से भी निवेशकों ने जमकर खरीदारी की । आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 938.45 अंक बढ़कर 60,441.15 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 447.25 अंक बढ़कर 17,385.90 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार ने जोरदार तेजी के साथ सप्ताह की शुरूआत की। सेंसेक्स करीब 418 अंकों की तेजी के साथ 83,999 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी 50 लगभग 123 अंकों की बढ़त के साथ 25,816 के आसपास खुला। निफ्टी ने 25,922 का इंट्रा-डे हाई भी छुआ, जिससे बाजार में मजबूती का संकेत मिला। वहीं एशियाई बाजारों में मजबूती, आई। जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजारों की तेजी से भी भारतीय बाजार उछला। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में आई मजबूत तेजी के असर से भी भारतीय बाजार को बढ़त मिली।

हार्ले-डेविडसन समेत बड़ी बाइक्स होंगी सस्ती, इंपोर्ट ड्यूटी होगी जीरो

नई दिल्ली ■

भारत सरकार अमेरिका से आने वाली प्रीमियम मोटरसाइकिलों को बड़ी राहत देने जा रही है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत 800 सीसी से 1,600 सीसी और उससे ज्यादा इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर इंपोर्ट ड्यूटी पूरी तरह खत्म की जाएगी। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत और अमेरिका ने इसी दिन एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें अंतरिम व्यापार समझौते का जिक्र किया गया है। उम्मीद है कि यह समझौता मार्च के मध्य तक आधिकारिक रूप से साइन हो जाएगा और इसके लागू होते ही नई ड्यूटी व्यवस्था प्रभाव में आ जाएगी। पिछले साल भारत सरकार ने बड़ी बाइक्स पर इंपोर्ट ड्यूटी कम की थी। 1,600 सीसी तक की पूरी तरह बनी मोटरसाइकिलों पर ड्यूटी 50 फीसदी से घटाकर 40 फीसदी और 1,600 सीसी से ऊपर की बाइक्स पर 30 फीसदी कर दी गई थी। अब नई डील में 800 सीसी से ऊपर की श्रेणी को पूरी तरह ड्यूटी फ्री किया जाएगा। समझौते में अमेरिकी डीजल और पेट्रोल कारों पर ड्यूटी में छूट शामिल है। वहीं अमेरिका भारत से आने वाले कुछ ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ हटाएगा, जबकि कुछ पर 18 फीसदी शुल्क बना रहेगा।

टीवीएस मोटर ने की 5.12 लाख से ज्यादा वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में टीवीएस की पकड़ न सिर्फ मजबूत है बल्कि लगातार बढ़ती भी जा रही है। कंपनी के लिए जनवरी 2026 एक ऐतिहासिक महीना साबित हुआ, जिसमें कंपनी ने 5.12 लाख से ज्यादा वाहनों की बिक्री के साथ करीब 29 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की। घरेलू बिक्री के साथ निर्यात कारोबार ने भी इस ग्रोथ में अहम योगदान दिया। जनवरी 2026 में टीवीएस ने दोपहिया सेगमेंट में लगभग 4.94 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जो सालाना आधार पर करीब 28 प्रतिशत अधिक है। खास बात यह रही कि घरेलू बाजार में दोपहिया बिक्री 30 प्रतिशत तक बढ़ी, जिससे पता चलता है कि शहरी और ग्रामीण–दोनों क्षेत्रों में टीवीएस की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

नए साल में भारतीय टू-व्हीलर बाजार में आया जोरदार उछाल

नई दिल्ली ■

नए साल में भारतीय टू व्हीलर बाजार में जबर्दस्त उछाल देखने को मिला। बीते महीने जनवरी 2026 में होंडा, हीरो, टीवीएस, बजाज, सुजुकी और रॉयल एनफील्ड जैसी प्रमुख कंपनियों ने मजबूत बिक्री दर्ज की है।

जनवरी में टॉप-6 कंपनियों की घरेलू बिक्री 18,31,853 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 26.39 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2025 की तुलना में भी 25.03प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। यह आंकड़ा बताता है कि नए साल में उपभोक्ताओं का भरोसा काफी मजबूत हुआ है और बाजार ने रफ्तार पकड़ ली है। हीरो मोटोकॉर्प ने 5,20,208 यूनिट्स की बिक्री के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी। कंपनी ने 26.15प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की और 28.40प्रतिशत मार्केट शेयर हासिल किया। दूसरी ओर, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने 5,19,579 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो 28.94प्रतिशत की वायओवाय ग्रोथ है। मार्केट शेयर 28.36प्रतिशत रहा। बेहद मामूली अंतर से हीरो आगे रहा, लेकिन ग्रोथ रेट में होंडा ने बढ़त दिखाते हुए आने वाले महीनों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के संकेत दिए। टीवीएस मोटर ने भी शानदार प्रदर्शन किया और 3,83,262 यूनिट्स की बिक्री के साथ 30.42प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की।

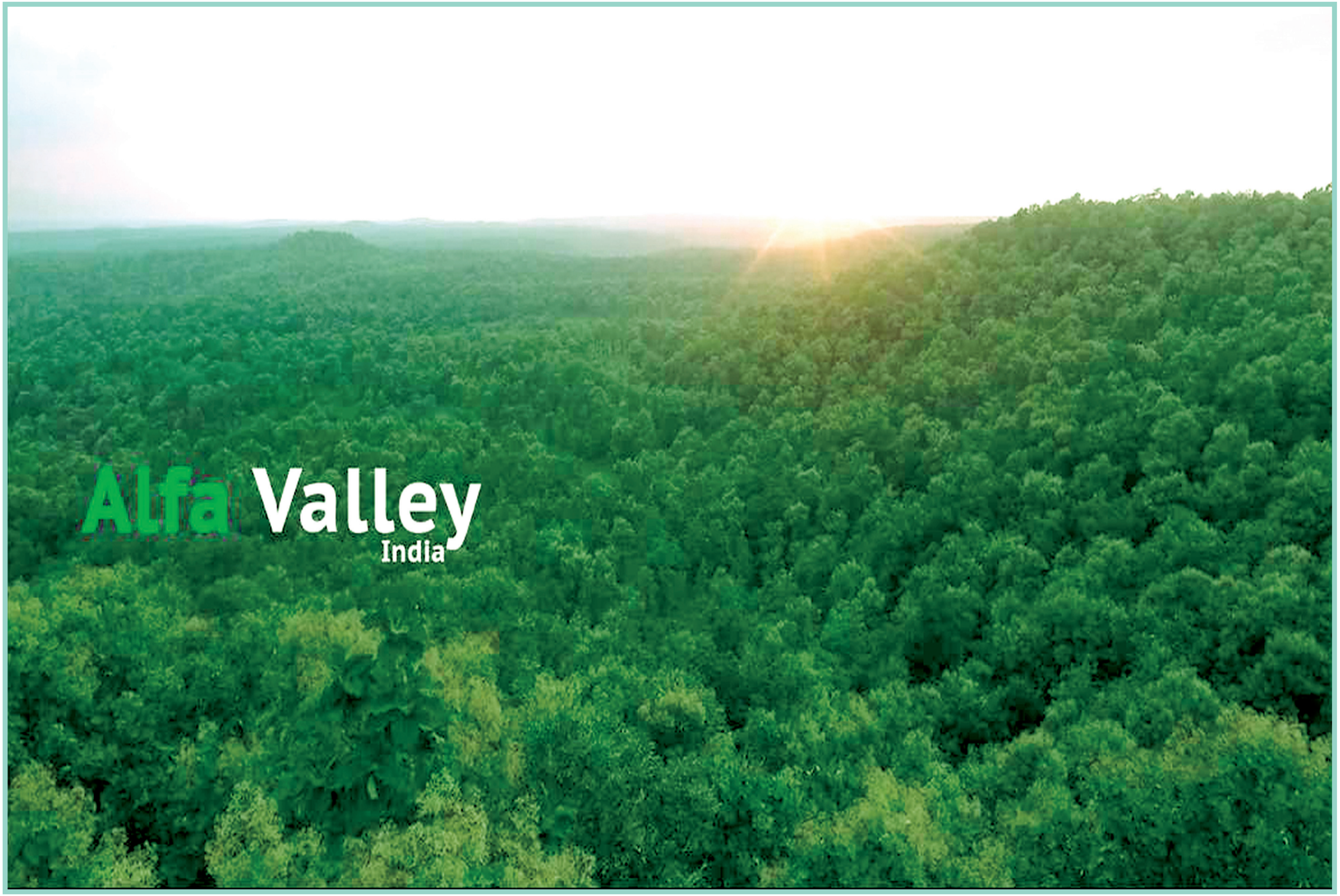

Alfa Valley
India

आईसीसी ने पाकिस्तान की तीनों शर्तें खारिज कीं, फाइनल अल्टीमेटम दिया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत से मैच ना खेलने पर अड़े पाकिस्तान की तीनों मांगे खारिज कर दी हैं। आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ हुई मीटिंग के बाद उसे फाइनल अल्टीमेटम दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब पीसीबी यू-टर्न लेगा और उनकी टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत का सामना भी करेगी।

पाकिस्तान ने भारत से प्रस्तावित मैच के बॉयकॉट का ऐलान किया था। इसी सिलसिले में आईसीसी के दो प्रतिनिधि इमरान ख्वाजा और मुबाशिर उस्मानी रविवार सुबह लाहौर पहुंचे, जहां उन्होंने पीसीबी अधिकारियों के साथ चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि सभी मसले सुलझा लिए जाएंगे। श्रीलंका बोर्ड मैच की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और मुकाबला तय शेड्यूल पर ही खेला जाएगा।

पीसीबी यू-टर्न लेगा, भारत से वर्ल्ड कप मुकाबला खेलना लगभग तय

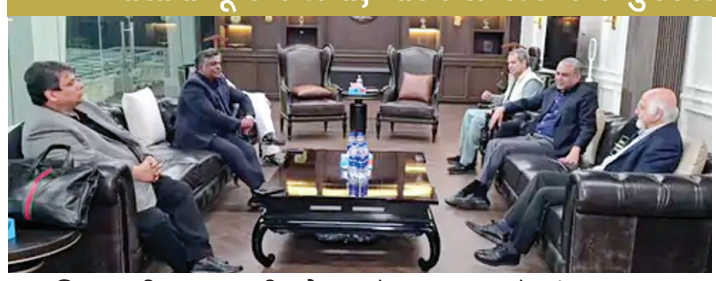

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को लेना है अंतिम फैसला

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हुई बैठक में पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी, आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम शामिल रहे। यह बैठक करीब पांच घंटे तक चली। बैठक के बाद अब अंतिम फैसला पाकिस्तान सरकार के स्तर पर होना है। पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी पूरे मामले की जानकारी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को देंगे, जिसके बाद बोर्ड अगले 24 घंटे में अपना फैसला सुना सकता है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हुई बैठक में पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी, आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम शामिल रहे। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में हुई बैठक में पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी, आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम शामिल रहे।

पाकिस्तान ने आईसीसी के सामने 3 शर्तें रखीं

बैठक में आईसीसी की ओर से सीईओ संजोग गुप्ता वर्चुअल तरीके से जुड़े। भारत से खेलने के मुद्दे पर पाकिस्तान ने तीन शर्तें रखीं। पहल, आईसीसी की कुल कमाई में पाकिस्तान का हिस्सा बढ़ाया जाए। दूसरी, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज बहाल कराया जाए। तीसरी, मैदान पर हैंडशेक प्रोटोकॉल को सख्ती से लागू किया जाए। दरअसल, एशिया कप के दौरान पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय टीम ने पाकिस्तान खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। फिलहाल आईसीसी रेवेन्यू मॉडल में पाकिस्तान चौथा सबसे बड़ा हिस्सेदार बोर्ड है। उसे कुल कमाई का करीब 5.75 फीसदी हिस्सा मिलता है। इससे ऊपर ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत के बोर्ड हैं।

हमें रेवेन्यू में भारी नुकसान होगा- एसएलसी

7 फरवरी को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से इस मैच पर दोबारा विचार करने की अपील की थी। इसके बाद श्रीलंका क्रिकेट ने पीसीबी को मेल लिखा। इसमें कहा गया है कि भारत-पाक मैच नहीं होने से श्रीलंका क्रिकेट को आर्थिक नुकसान होगा और टूर्नामेंट की इमेज को भी नुकसान होगा। मेल पर श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पीसीबी से कहा कहा, हम भारत के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट को होस्ट कर रहे हैं। अगर भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होता है तो हमें रेवेन्यू में भारी नुकसान होगा।

मनोरंजन

'योगी दा' में साई ने खुद किए दमदार स्टंट

अभिनेत्री साई धनशिका अपनी आने वाली फिल्म 'योगी दा' को लेकर सुर्खियों में हैं। साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री इस एक्शन एंटरटेनर में दमदार स्टंट करती दिखाई देंगी। हाल ही में अभिनेत्री ने एक इवेंट में बताया कि फिल्म में किए गए हर एक्शन सीक्वेंस उन्होंने बिना किसी बॉडी डबल के खुद पूरा किया है। उनका कहना है कि अगर महिलाएं ठान लें, तो वे किसी भी मामले में पुरुषों से पीछे नहीं हैं, खासकर स्टंट और एक्शन के मामले में। धनशिका ने कहा कि उनका पहला एक्शन अनुभव फिल्म 'पेरानमाई' में हुआ था, जिसने आगे चलकर उनकी काफी मदद की। 'योगी दा' में शूट किए गए सभी एक्शन सीन्स के दौरान उन्होंने खुद को लगातार चुनौती दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि फिल्म का संदेश बेहद महत्वपूर्ण है आज महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, और समाज अक्सर यह मान लेता है कि शारीरिक चोट के बाद एक महिला फिर से पहले जैसी नहीं हो सकती। लेकिन यह फिल्म यह दिखाती है कि महिलाएं किसी भी दर्द और मुश्किल से उबरकर और अधिक मजबूत बनकर वापस खड़ी हो सकती हैं। अभिनेत्री ने फिल्म के शीर्षक की दिलचस्प कहानी साझा करते हुए कहा कि 'योगी दा' का नाम रजनीकांत की फिल्म 'कबाली' से प्रेरित है। धनशिका ने 'कबाली' में रजनीकांत की बेटी 'योगी' का किरदार निभाया था। वहीं से इस फिल्म के नाम और लुक की प्रेरणा मिली।

सलमान अपने सीनियर्स का हमेशा रखते हैं ध्यान : सुभाष घई

हाल ही में बॉलीवुड के दबंग भाईजान यानि की अभिनेता सलमान खान की मशहूर फिल्म निर्देशक सुभाष घई ने जमकर तारीफ की। उन्होंने सलमान को विनम्र, जमीन से जुड़े और बड़े दिल वाले व्यक्ति बताया। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए सुभाष ने सलमान के अपने सीनियर्स के प्रति सम्मान और उनके व्यवहार की खूबियों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि सलमान अपने सीनियर्स का हमेशा ध्यान रखते हैं और उनके प्रति सम्मान का भाव हर कदम पर दिखाई देता है। सुभाष ने इस अवसर पर अपने साथ सलमान खान और जैकी श्रॉफ की एक तस्वीर भी साझा की। पोस्ट में सुभाष ने लिखा, सलमान खान वाकई बहुत ही विनम्र और बड़े दिल वाले सितारे हैं। जैसे ही मैंने उन्हें मैसेज भेजकर प्रिय दोस्त जैकी श्रॉफ के जन्मदिन की छोटी-सी शाम में आने का निमंत्रण दिया, उन्होंने सरप्राइज देते हुए अपने घर आकर उस शाम को और भी खास बना दिया। धन्यवाद सलमान, हमेशा खुश रहें। जानकारी के अनुसार 1 फरवरी को जैकी श्रॉफ का जन्मदिन उनके दोस्तों और इंडस्ट्री के अन्य सेलेब्स के साथ मनाया गया। इस खास मौके पर सलमान की मौजूदगी ने समारोह की यादगार बनावट को और बढ़ा दिया। सुभाष घई की इस तारीफ ने सोशल मीडिया पर भी चर्चा छेड़ दी है और फैंस सलमान के विनम्र व्यक्तित्व की सराहना कर रहे हैं। सलमान खान जल्द ही आने वाली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी तापसी पन्नू

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ आने वाली इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी। मोशन पोस्टर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, निर्माताओं ने फिल्म को सीधे दर्शकों तक ले जाने की शुरुआत कर दी है। इसकी शुरुआत आज जयपुर में एक खास ऑन-ग्राउंड शोकेस से हुई। फिल्म की अनोखी प्रमोशनल स्ट्रेटेजी के तहत, तापसी पन्नू ने जयपुर मीडिया के साथ एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की, वहीं टीम ने साथ ही बड़े पर्दे पर अस्सी का ट्रेलर भी दिखाया। अभिनेत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ ट्रेलर देखा, पत्रकारों, फैंस और डिजिटल क्रिएटर्स से सीधे संवाद किया और फिल्म तथा उसके सशक्त विषय पर अपने विचार साझा किए। अस्सी के मोशन पोस्टर ने अपने सख्त टोन और तात्कालिक संदेश के कारण पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी, जिसने एक हार्ड-हिटिंग सिनेमैटिक अनुभव की मजबूत नींव रखी। जयपुर दौरे ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जहां दर्शकों ने फिल्म के तीव्र कोर्टरूम माहौल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानी को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेज रफ्तार इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही अस्सी, एक बिल्कुल नए तरह के कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है, जो देश में रोज़ाना दर्ज होने वाले लगभग अस्सी यौन उत्पीड़न मामलों की भयावह सच्चाई से प्रेरित है। फिल्म को एक अर्जेंट वॉच के तौर पर पोजिशन किया जा रहा है, जो मजबूत महिला नायिकाओं के नेतृत्व में सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के लिए बढ़ती दर्शक रुचि को दर्शाता है।

मनु भाकर करीबी अंतर से स्वर्ण पदक से चूकीं, रजत से करना पड़ा संतोष; ईशा को मिला कांस्य

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने से चूक गईं। मनु को 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। फाइनल में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों ने एक समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद विजेता का फैसला शूटऑफ के जरिये हुआ जिसमें वियतनाम की खिलाड़ी ने बाजी मार ली।

मनु के अलावा भारत की एक अन्य निशानेबाज ईशा सिंह कांस्य पदक अपने नाम करने में सफल रहीं। फाइनल में पूर्व एशियाई एयर पिस्टल चैंपियन ट्रेंग, मनु, ईशा और ओलंपियन रिदम सांगवान सभी स्वर्ण के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे थे। ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से शुरुआत की जबकि मनु और ट्रेंग ने चार-चार अंक के निशाने लगाए। हर सीरीज के बाद पदक की दौड़ में स्थिति बदल रही

थी लेकिन छठी सीरीज में परफेक्ट पांच के साथ वियतनाम की खिलाड़ी ने दो अंक की बढ़त बना ली। मनु और ईशा ने ट्रेंग की खराब सातवीं सीरीज का फायदा उठाया जिसमें वह सिर्फ एक निशाना लगा पाई जिससे अंतर कम हो गया। आठवीं सीरीज के आखिर में 30 के स्कोर के साथ आगे चल रही ईशा नौवीं सीरीज में अपने सभी शॉट चूक गई और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। अंतिम सीरीज में मनु ने तीन निशाने लगाए जबकि ट्रेंग दो की निशाने लगा पाई जिससे दोनों का कुल स्कोर 35 हो गया और मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा।

टीम स्पर्धा में भारतीय तिकड़ी ने जीता स्वर्ण

ईशा, मनु और रिदम की तिकड़ी ने कुल 1,751 अंक के साथ टीम स्वर्ण जीता। चीनी ताइपे को 1,735 अंक के साथ रजत, जबकि वियतनाम को 1,729 अंक के साथ कांस्य पदक मिला। जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में नाम्या कपूर ने रोमांचक शूट ऑफ में स्वर्ण पदक जीता। विश्व चैंपियनशिप पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी ने इंडोनेशिया की रिहादतुल अस्यिफा को पछाड़ा। अंजलि भागवत ने कांस्य पदक जीता। जूनियर भारतीय टीम ने इस स्पर्धा में टीम स्वर्ण भी जीता।

अमेरिकी गेंदबाज शाल्कविक बोले अभी हमें काफी सुधार करना होगा

मुंबई ■ एजेंसी

अमेरिका के तेज गेंदबाज शैडली वैन शाल्कविक भारत के खिलाफ टी20 विश्कप के पहले ही मैच में अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। शाल्कविक के अनुसार हालांकि उन्हें अभी काफी सुधार करना होगा। उनके अनुसार एसोसिएट देशों के खिलाड़ियों को शीर्ष टीमों से मुकाबले में विशेष प्रयास करने होते हैं।

उन्होंने साथ ही कहा कि उनकी टीम ने पहले मैच में काफी अच्छा खेला। उनकी टीम का क्षेत्ररक्षण भी इस मैच में अच्छा रहा है। शाल्कविक ने इस मैच में 25 रन देकर चार विकेट लिए थे। इस तेज गेंदबाज ने कहा, एसोसिएट क्रिकेटर के तौर पर भारत जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ हमारा प्रदर्शन काफी अच्छा

रहा है। इसके लिए हमें काफी प्रयास करना पड़ता है। हमें सबसे बड़े मंच पर खेलने का अवसर कभी-कभी ही मिलता है। हमारे लिए उन टीम के खिलाफ बहुत अच्छी तरह तैयारी करना जरूरी है जिनके खिलाफ हम खेलते हैं। हम योजना पर भी भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहले यहां खेल चुके हैं। हमारे पास ऐसे लोग हैं जो आंकलन कर रणनीति बनाते हैं। हमें स्थिति बताते हैं।

जम्मू-कश्मीर पहली बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में, मध्य प्रदेश को हराया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रणजी ट्रॉफी 2025-26 के तीन क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के रिजल्ट आ चुके हैं। जम्मू कश्मीर ने इतिहास रचते हुए मध्य प्रदेश को हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। वहीं, कर्नाटक की टीम ने मुंबई को हराकर सेमीफाइनल में एंट्री की है। टीम इंडिया के स्टार ओपनर केएल राहुल ने बेहतरीन शतक जड़ा और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने।

जमशेदपुर में पहले बैटिंग करने उतरी होम टीम 235 रन ही बना सकी। आदित्य सिंह ने 83 रन बनाए। उत्तराखंड ने अवनीश सुधा, कप्तान कुणाल चंदेला और जगदीश

सुचित की फिफ्टी के दम पर 371 रन बना दिए। तीसरे दिन झारखंड 130 रन ही बना सका। इसी के साथ उत्तराखंड ने पारी और 6 रन से मुकाबला जीत लिया। टीम ने पहली बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में एंट्री की है। जम्मू-कश्मीर की टीम ने इतिहास रचते हुए क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश को 56 रन से हराया।

पहली बार जम्मू-कश्मीर की टीम ने रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस मैच में आकिब नबी ने पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर कुल 12 विकेट मैच में झटके। इस खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। इंदौर के होलकर स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए जम्मू-कश्मीर 194 रन पर ऑलआउट हो गया। शुभम खजुरिया ने 60 और युद्धवीर सिंह चरक ने 41 रन बनाए। कुलदीप सेन ने 5 विकेट लिए। मध्य प्रदेश अपनी पहली पारी में 152 रन पर ही सिमट गया। यश दुबे ने फिफ्टी लगाई। जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी ने 40 रन देकर 7 विकेट लिए। सुनील कुमार को 3 विकेट मिले।

तिलक हालात के अनुसार खेलने वाले बल्लेबाज : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में तिलक वर्मा की बल्लेबाजी की सराहना की है। गावस्कर ने कहा कि तिलक एक समझदार क्रिकेटर हैं जो हालात के अनुसार खेलना जानते हैं। उन्हें पता है कि दबाव के बीच किस प्रकार से संयमित पारी खेली जाती है। गावस्कर को उम्मीद है कि 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ मैच में भी वह इसी प्रकार खेलेंगे। गावस्कर ने दबाव में परिपक्वता दिखाने के लिए तिलक की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा, तिलक एक बहुत ही होशियार क्रिकेटर हैं। वह न सिर्फ अपनी बल्लेबाजी कौशल या अलग-अलग प्रकार के शॉट्स के लिए जाने जाते हैं बल्कि इसलिए भी कि कब, कैसे खेलना है।

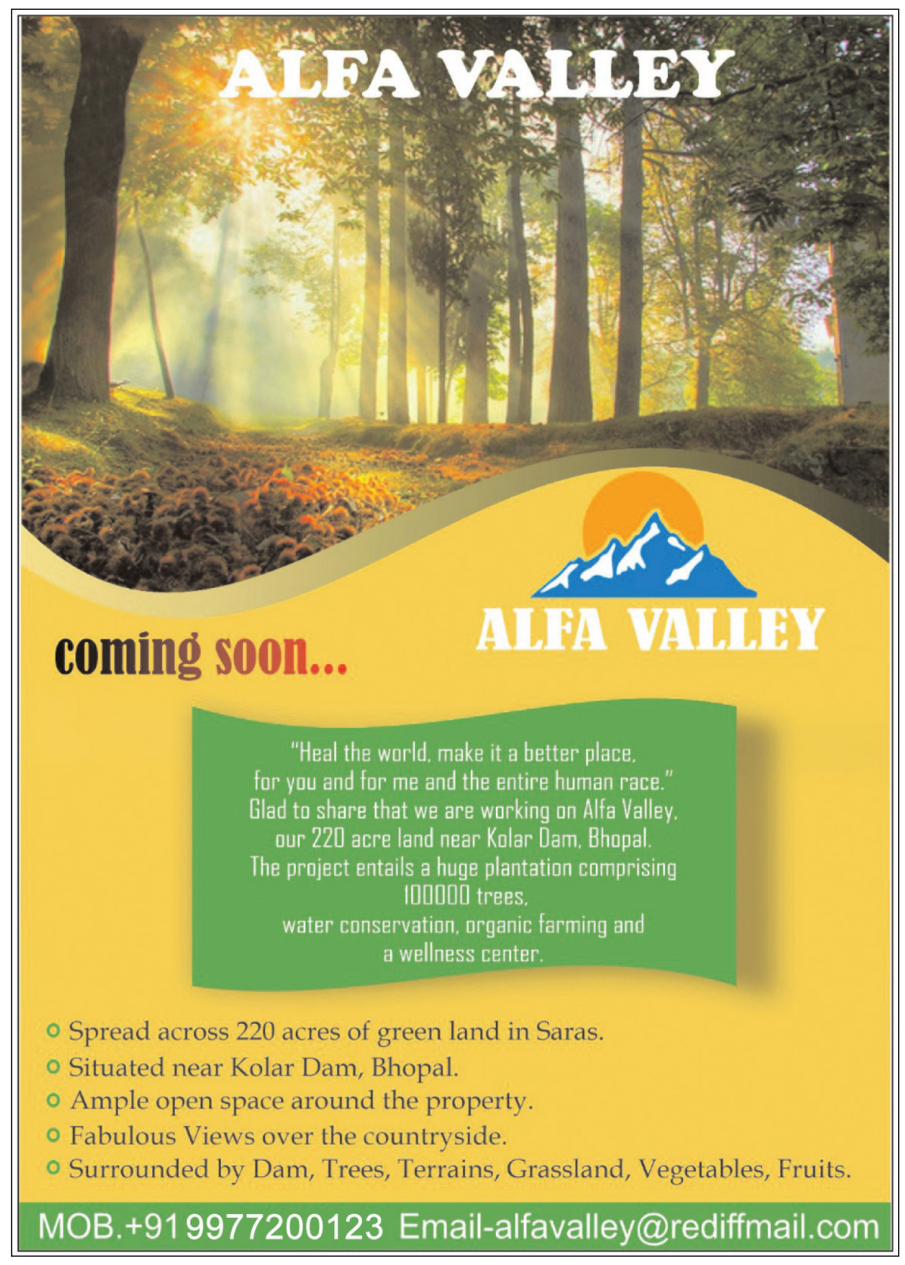

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news

प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **डॉ.शिशिर उपाध्याय**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com